गैरसैंण, सोमवार
8 सितम्बर 2025
वर्ष: 17
अंक: 124 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक: स्व. नगेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

इब्राहिमपुर में नाले में मिला गुलदार का शव

हरिद्वार। इब्राहिमपुर और अहमदपुर के पास नाले में गुलदार का शव मिलने से वन विभाग में हड़कंप मच गया। वन विभाग के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर गुलदार के शव को कब्जे में लिया है। प्रथम दृष्टया वन विभाग ने गुलदार का शिकार होने की घटना से इनकार किया है। रविवार को हरिद्वार वनप्रभाग क्षेत्र अंतर्गत इब्राहिमपुर और अहमदपुर के पास एक गुलदार का शव होने की सूचना ग्राम प्रधान गुरमीत सिंह ने वन विभाग को दी। इस पर वन विभाग के टीम ने गुलदार के शव को नाले से निकाल कर कब्जे में लिया। हरिद्वार रेंज के रेंजर शैलेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि गुलदार का शव सड़ी गली अवस्था में बरामद किया गया है। सभी अंग नाखून, दांत और खाल सुरक्षित पाए गए हैं। इससे अंदाजा लग जा सकता है कि गुलदार का शिकार नहीं किया गया होगा। वह किसी वाहन आदि की चपेट में आकर नाले में गिर गया होगा, जिससे उसकी मौत हो गई होगी। रेंजर ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही गुलदार की मौत के सही कारण स्पष्ट हो पाएंगे।

राजस्थान सरकार ने उत्तराखंड की आपदा राहत हेतु 5 करोड़ रुपये की सहायता राशि प्रदान की

देहरादून। उत्तराखंड में प्राकृतिक आपदा से उत्पन्न स्थिति को देखते हुए, राजस्थान सरकार ने उत्तराखंड सरकार को 5 करोड़ रुपये की सहायता राशि प्रदान की है। यह सहायता राशि राज्य के आपदा प्रभावित क्षेत्रों में तात्कालिक राहत और पुनर्वास कार्यों में उपयोग की जाएगी। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को लिखे एक पत्र में इस दुखद परिस्थिति पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि, ह्लइस प्राकृतिक आपदा के कठिन समय में हम उत्तराखंड के लोगों की पीड़ा को अपनी ही पीड़ा मानते हैं ।ह्ल मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राजस्थान के निवासी इस संकट की घड़ी में उत्तराखंड के भाइयों–बहनों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। उन्होंने यह विश्वास भी जताया कि पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में पुनर्वास एवं पुनर्निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण होंगे ।उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और राजस्थान सरकार का आभार व्यक्त किया है।

सोना और डॉलर देने के नाम पर साढ़े चार लाख की ठगी

रुद्रपुर। साइबर ठगों ने एक युवती को कोरियर के जरिए गोल्ड एवं रुपये आने की बात कहकर लाखों की ठगी कर ली। तहरीर में युवती ने बताया कि ठगों ने साढ़े चार लाख रुपये की धोखाधड़ी की है। इस मामले में पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव झनकट निवासी रेशमा चंद ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि 14 मई 2025 को उसके मोबाइल नंबर व व्हाट्सएप पर कॉल आई और कहा कि उनके कोरियर के जरिए गोल्ड एवं रुपये आए हैं। जो कि डालर के रूप में मुम्बई एयरपोर्ट पर आया है। कोरियर के जरिए उन तक पहुंचाने के लिए उसे डालर के बदले भारतीय मुद्रा में 50,000 रुपये भेजने होंगे। उसकी बात का विश्वास कर उसने अपनी बहन रेनू चंद को बताए खाता संख्या में 49000 रुपये भेजे फिर उसने बताया कि भेजी गई विदेशी मुद्रा काफी अधिक है और रुपये भेजने होंगे तो उसने अपनी बहन के माध्यम से अलग–अलग खातों में 16000 फिर 46000 इसके बाद 49000 इसी प्रकार 35000, 1,62,500, 40,000, 50,000 रुपये कुल 4,45,500 रुपये अज्ञात लोगों ने ठगी कर विभिन्न खातों में डलवा लिए। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नंदासैंण में नौ से होगा चार दिवसीय मेला

चमोली। नंदासैंण में नौ सितंबर से चार दिवसीय पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यटन विकास मेला आयोजित होगा। मेला में पौधरोपण, स्वच्छता अभियान, जनजागरूकता रैली, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, हस्तशिल्प प्रदर्शनी, पारंपरिक वेशभूषा प्रतियोगिता एवं ढोल–दमाऊं प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

श्राद्ध पक्ष की शुरुआत, नारायणी शिला मंदिर में उमड़ी भीड़

हरिद्वार। रविवार को श्राद्ध पक्ष के पहले दिन मायापुर स्थित प्रसिद्ध नारायणी शिला मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही मंदिर परिसर में उत्तराखंड सहित अन्य राज्यों से आए श्रद्धालु अपने पितरों की आत्मशांति के लिए तर्पण और पूजा–अर्चना करते नजर आए। मायापुर स्थित नारायणी शिला मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित मनोज शास्त्री ने बताया कि इस दिन को पूर्णिमा का श्राद्ध भी कहा जाता है। उन्होंने कहा कि श्राद्ध पक्ष के आरंभ पर पितरों की स्मृति में विशेष पूजा–अर्चना का महत्व है, इसलिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु नारायणी शिला के दर्शन के लिए आते हैं। श्रद्धालुओं ने बताया कि श्राद्ध पक्ष के अवसर पर नारायणी शिला में पूजा–अर्चना करने से पूर्वजों की आत्मा को शांति और परिवार को सुख–समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है। रविवार उत्तराखंड के अतिरिक्त अन्य कई राज्यों से आये श्रद्धालु गंगा स्नान में स्नान कर नारायणी शिला मंदिर पहुंचे। जहां उन्होंने अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए पूजा अर्चना की, साथ गंगा घाट पर दान पुण्य भी किया। मुख्य पुजारी पंडित मनोज शास्त्री ने बताया कि श्राद्ध पक्ष के दौरान मायापुर स्थित नारायणी शिला मंदिर में पूजा अर्चना करने का विशेष महत्व है। इसलिए श्राद्ध पक्ष तक इस मंदिर में देश के अलग अलग राज्यों से श्रद्धालु पूजा अर्चना करने पहुंचेंगे।

केदारनाथ के लिए 15 सितम्बर से शुरू होंगी हेली सेवाएं

रुद्रप्रयाग। बरसाती मौसम खत्म होने के बाद केदारनाथ धाम के लिए दूसरे चरण की हेलीकॉप्टर सेवाएं 15 सितम्बर से शुरू होंगी। हेली से जाने वाले तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए 10 सितम्बर से आईआरसीटीसी की अधिकारिक बेवसाइट पर बुकिंग भी शुरू होंगी। हेली सेवाओं के शुरू होने की सुगबुआहट से केदारघाटी में स्थिति हेलीपैड़ों में हलचल बढ़ने लगी है।

हर साल की तरह इस साल भी बीते जून माह के मध्य में हेलीकॉप्टर सेवाएं बरसात को देखते हुए वापस लौट गई। जबकि बरसात खत्म होने के बाद केदारनाथ धाम के लिए दूसरे चरण की सेवाएं सितम्बर माह में शुरू हो जाएंगी। हालांकि इस बार बरसात ज्यादा समय तक चलने के कारण सितम्बर पहले सप्ताह में हेली सेवाएं शुरू नहीं हो सकी, किंतु 15 सितम्बर से हेली सेवाओं के शुरू होने की खबर मिलते ही यात्री एवं हेली से जुड़े कारोबारियों में उत्साह है। सूत्रों के अनुसार दूसरे चरण की सेवा के लिए गुप्तकाशी से आर्यन और शेरसी से त्रिस्टल को उड़ान की अनुमति नहीं मिल सकती है। जबकि अन्य हेली सेवाओं में गुप्तकाशी से ट्रांस भारत, फाटा से पवनहंस फाटा, इसी स्थान से थंबी और ग्लोबल विक्ट्रा, शेरसी से हिमालय हेली, इसी स्थान से ऐरो शेरसी आदि कंपनियां 15 सितम्बर से केदारनाथ के लिए उड़ान भर सकेंगे। हेली के नोडल अधिकारी राहुल चौबे ने बताया कि 10 सितम्बर से हेलीकॉप्टर की बुकिंग आईआरसीटीसी की बेवासाइट पर शुरू होंगी जबकि 15 सितम्बर से केदारनाथ धाम के लिए विधिवत हेली सेवाएं शुरू हो जाएंगी।

सीएम धामी ने किया श्री दिगम्बर जैन पंचायती मंदिर में आयोजित जैन समाज सम्मेलन में प्रतिभाग

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को श्री दिगम्बर जैन पंचायती मंदिर में आयोजित जैन समाज सम्मेलन में प्रतिभाग किया और जैन धर्म गुरुओं का आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि आचार्य सौरभ सागर मुनि जी महाराज का जीवन संयम, त्याग और अहिंसा के अद्वितीय आदर्शों का प्रतीक है। सौरभांचल तीर्थ और जीवन आशा अस्पताल उनके दूरदर्शी नेतृत्व और करुणा के उदाहरण हैं, जो समाज को धर्म और सेवा के पथ पर अग्रसर कर रहे हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि जैन धर्म ने दुनिया को संदेश दिया है कि अहिंसा ही वीरता का धर्म है। जैन समाज ने केवल अहिंसा का ही नहीं बल्कि संगठन और सामाजिक एकता का भी अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य के समग्र विकास के लिए संकल्पबद्ध है और इसी क्रम में उत्तराखंड देश का पहला राज्य बना है जिसने ह्लसमान नागरिक संहिताह्ल लागू की है। इसके साथ ही नकल विरोधी कानून के बाद से से 25 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी पाने में सफलता मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड की डेमोग्राफी संरक्षित रखना सरकार की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से धर्मांतरण विरोधी एवं दंगा विरोधी कानून लागू किए गए हैं। प्रदेश में 9 हजार एकड़ से अधिक सरकारी भूमि को अवैध कब्जों से मुक्त कराया गया है। सनातन मुख्यमंत्री ने कहा कि जैन कल्याण बोर्ड के गठन के संबंध में प्राप्त सुझाव पर सरकार गंभीरतापूर्वक विचार करेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जैन समाज आगे भी उत्तराखंड के समग्र विकास में सहयोग देता रहेगा।

कार्यक्रम में रविंद्र मुनि जी महाराज, राजेश मुनि जी महाराज, विधायक विनोद चमोली, खजानदास, पद्मश्री डॉ. आर.के. जैन एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

चंद्र ग्रहण के कारण दिन में हुई हरकी पैड़ी पर गंगा आरती

हरिद्वार। चंद्र ग्रहण के कारण रविवार रात को धर्मनगरी में धार्मिक गतिविधियों का समय बदल गया। ग्रहण से पहले लगने वाले सूतककाल का पालन करते हुए शहर के समस्त प्रमुख मंदिरों के कपाट रविवार दोपहर 12:57 बजे से बंद कर दिए गए। आम दिनों में जहां हर की पैड़ी पर शाम को भव्य गंगा आरती होती है, वहीं रविवार को विशेष परिस्थितियों के चलते गंगा आरती दोपहर साढ़े बारह बजे ही संपन्न कराई गई। ग्रहण का सूतक काल शुरू होने के कारण मंदिरों में पूजा–अर्चना और दैनिक आरती क्रम बाधित रहा। गंगा तट पर होने वाली संध्या आरती को देखने के लिए देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को भी इस बार विशेष परिस्थिति का अनुभव करना पड़ा। दोपहर में हुए इस आयोजन में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा आरती का साक्षी बने।

श्रीगंगासभा के महामंत्री तन्मय वशिष्ठ ने बताया कि पंडितों ने बताया कि रविवार को पूर्ण रुप से चंद्रग्रहण रात्रि को 9:57 मिनट से आरंभ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे शास्त्रों के अनुसार नौ घंटे पहले सूतक काल आरंभ हो जाता है। सूतक काल में भगवान की प्रतिमा को स्पर्श करना वर्जित माना गया है। साथ ही धार्मिक अनुष्ठान करना वर्जित होता है। इसलिए परंपरानुसार हर की पैड़ी सहित समस्त मंदिरों में पूजा–अर्चना 12:57 पर रोक दी गई। चंद्र ग्रहण ग्रहण समाप्त होने के बाद मंदिरों में शुद्धिकरण और विशेष पूजा के उपरांत कपाट खोले जाएंगे। धर्मनगरी में इस अवसर पर श्रद्धालु गंगा स्नान कर पुण्य अर्जित करने के लिए पहुंचे। सभी मंदिरों के कपाट रहे बंदः चंद्र ग्रहण के चलते सूतक काल आंरभ होते ही धर्मनगरी के सभी मंदिरों के कपाट 12:57 पर बंद कर दिए गए। धर्मनगरी के हरकी पैड़ी के सभी मंदिरों के कपाट बंद कर दिए गए।

सूतककाल के चलते भगवान रघुनाथ मंदिर के कपाट बंद

नई टिहरी। रविवार को पूर्ण चन्द्र ग्रहण को देखते सिद्धपीठ चंद्रवदनी सहित भगवान रघुनाथ मन्दिर के कपाट दोपहर को सूतक काल शुरू होते ही बंद कर दिये गए। पूर्ण चंद्र ग्रहण शुरू होने से 9घण्टे पहले शास्त्र अनुसार मन्दिरों में पूजा अर्चना स्पर्श नि षेध कर दिया गया। भगवान रघुनाथ मन्दिर करीब 16 घण्टे बाद सोमवार सुबह 5 बजे भक्तों के दर्शन हेतु खोला जायेगा। पुजारी समीर पंचपुरी ने बताया की भगवान् को दोपहर में सूतक से पूर्व भोग लगाकर उनका श्रृंगार उताराकर शयन आरती की गयी। सोमवार सुबह 4 बजे शुद्धिकरण व अभिषेक के बाद ही सामान्य लोग भगवान का दर्शन पूजन कर सकेंगे। वहीं सिद्धपीठ चंद्रवदनी में सूतक काल से पूर्व शिला यंत्रों की पूजा कर उन्हें ढक दिया गया व मन्दिर के कपाट बन्द कर दिये गए। मुख्य पुजारी शिव प्रसाद भट्ट व सहायक चंडीप्रसाद भट्ट ने बताया कि माता चंद्रवदनी मन्दिर को सोमवार सुबह 5 बजे शुद्धि करण व नित्य पूजन के बाद श्रद्धालुओ के दर्शन के खोला जायेगा।

चन्द्रग्रहण के चलते सूतक लगते ही बंद हुआ केदारनाथ मंदिर

रुद्रप्रयाग। देशभर में चंद्रग्रहण के चलते विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ मंदिर चंद्रग्रहण के सूतकाल शुरू होते ही मंदिर के कपाट बंद कर दिए गए। इस दौरान मंदिर में दर्शन व्यवस्था भी बंद रही। हालांकि सूतक लगने से पहले ही बदरी–केदार मंदिर समिति ने पूजा अर्चना, भोग, आरती सभी प्रक्रियाएं पहले ही कर दी। रविवार को दोपहर 12 बजकर 58 मिनट पर सूतकाल शुरू हो गया जबकि इससे पहले ही मंदिर का मुख्य द्वार बंद कर दिया गया। मुख्य पुजारी द्वारा सुबह ही पूजा अर्चना कर दी गई। बाल भोग और आरती का भी पहले ही संपंन किया गया। ठीक निर्धारित सूतकाल पर मंदिर में दर्शन व्यवस्था बंद कर दी गई। केदारनाथ धाम में पहुंचे श्रद्धालुओं को पहले ही जानकारी देते हुए समय पर दर्शन करने को कह दिया गया। रविवार को सूतककाल में पहुंचे भक्तों को सोमवार दर्शन करने की अनुमति दी जाएगी। वहीं मंदिर के बाहर भक्तों ने रातभर भजन–कीर्तन किया।

लैंडस्लाइड से एनएच और भरमौर की सड़कें बंद, यातायात प्रभावित

हिमाचल प्रदेश । हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में भूस्खलन ने एक बार फिर जनजीवन को प्रभावित किया है। बत्ती के हट्टी के पास राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) पर हुए भूस्खलन के कारण सड़क पूरी तरह से बंद हो गई है, जिससे यातायात ठप्प पड़ गया है।

आम लोगों को इस वजह से काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, मौके पर पहुंचे विधायक जनकराज ने स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को तुरंत सड़क खोलने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन और संबंधित विभाग दिन–रात मेहनत कर रहे हैं, ताकि जल्द से जल्द राहत मिल सके। इसके अलावा, भरमौर क्षेत्र में भी कई जगहों पर भूस्खलन की वजह से सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं। इससे स्थानीय लोगों को आने–जाने में भारी परेशानी हो रही है। लोग अपनी सुरक्षा को खतरे में डालकर यात्रा करने को मजबूर हैं। स्थानीय निवासियों ने बताया कि लगातार बारिश के कारण पहाड़ों से मिट्टी और पत्थर गिर रहे हैं, जिससे सड़कें खतरनाक हो गई हैं।

मरीजों को महंगी दवाओं से मिलेगी राहत

सरकार ने 42 दवाओं के खुदरा मूल्य तय किए

नई दिल्ली , केंद्र सरकार ने आम लोगों को बड़ी राहत देते हुए 42 सामान्य दवाओं के खुदरा मूल्य तय कर दिए हैं। इनमें ब्रॉड–स्पेक्ट्रम एंटीबायोटिक्स और इप्का लेबोरेट्रीज की दवाएं भी शामिल हैं। इन दवाओं का उपयोग विशेष रूप से अंग प्रत्यारोपण के बाद ऑर्गन रिजेक्शन रोकने के लिए किया जाता है।

सरकार द्वारा तय की गई नई कीमतों में मेरोपेनम और सुलबैक्टम इंजेक्शन की कीमत 1,938.59 रुपये प्रति शीशी रखी गई है। वहीं, माइकोफेनोलेट मोफेटिल की कीमत 131.58 रुपये प्रति टैबलेट तय हुई है।

इसके अलावा बैक्टीरियल संक्रमण के इलाज में उपयोग की जाने वाली एबॉट हेल्थकेयर की क्लैरिथ्रोमाइसिन एक्सटेंडेड–रिलीज टैबलेट अब 71.71 रुपये प्रति टैबलेट में उपलब्ध होगी। गौरतलब है कि राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण ने इसी साल फरवरी में आदेश जारी किया था। इसमें कहा गया था कि सभी दवा निर्माता कंपनियों को तय कीमतों की सूची डीलरों, राज्य औषधि नियंत्रकों और सरकार को सौंपनी होगी। इसके साथ ही आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया कि हर खुदरा विक्रेता और डीलर मूल्य सूची और अनुपूरक सूची को सार्वजनिक स्थान पर लगाएंगे, ताकि उपभोक्ता आसानी से जांच सकें कि दवाएं द्वारा तय कीमत पर ही बेची जा रही हैं या नहीं।

सावधान! देहरादून समेत चार जिलों में तेज बारिश की चेतावनी, येलो अलर्ट जारी

देहरादून समेत प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्रों में दिनभर धूप और बादलों की आंख–मिचौनी जारी है और तीव्र वर्षा के एक से दो दौर भी दर्ज किए जा रहे हैं। हालांकि, मूसलधार बारिश का सिलसिला थमा हुआ है और कहीं–कहीं बौछारें पड़ रही हैं।

धूप और बादलों के बीच बौछारों का सिलसिला अगले कुछ दिन बना रह सकता है। सोमवार को देहरादून समेत चार जिलों में तीव्र वर्षा को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। उत्तराखंड में मानसून की गतिविधि सामान्य बनी हुई है। पहाड़ से मैदान तक आंशिक बादल मंडराने के साथ ही हल्की धूप खिल रही है और कहीं–कहीं तीव्र वर्षा के दौर भी जारी हैं। फिलहाल प्रदेश में भारी बारिश से राहत है, लेकिन वर्षा के तीव्र दौर बने रह सकते हैं। मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार को देहरादून, पौड़ी, बागेश्वर और नैनीताल जनपदों में कहीं–कहीं भारी वर्षा, गर्जन के साथ आकाशीय बिजली चमकने व वर्षा के तीव्र से अति तीव्र दौर होने की आशंका है। शेष जिलों में कहीं–कहीं गर्जन के साथ आकाशीय बिजली चमकने व वर्षा के तीव्र दौर हो सकते हैं। फिलहाल तापमान भी सामान्य के आसपास बना हुआ है।

प्रदेश में बारिश के बाद मलबा आने से 284 सड़कें बंद

प्रदेश में बारिश के बाद मलबा आने से 284 सड़कें बंद हो गईं हैं। इसमें सबसे अधिक 54 सड़कें उत्तरकाशी जिले की हैं। इसके अलावा पौड़ी में 24, चमोली में 41, टिहरी में 24, रुद्रप्रयाग मे 29, उत्तरकाशी में 54, देहरादून में 18, हरिद्वार में 17, पिथौरागढ़ में 23, चंपावत में दो, अल्मोड़ा में 32, बागेश्वर में पांच, नैनीताल में 10 और ऊधमसिंह नगर में 10 सड़कें बंद हैं।

नायर हॉस्पिटल में बम की धमकी से हड़कंप

मुंबई , त्योहारी सीजन और गणेश विसर्जन को लेकर पहले से ही हाई अलर्ट पर चल रही मुंबई पुलिस को रविवार को एक और बम की धमकी ने परेशान कर दिया। शहर के प्रतिष्ठित नायर अस्पताल को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया, जिसके बाद पुलिस और बम निरोधक दस्ते को कई घंटों तक सघन तलाशी अभियान चलाना पड़ा। जांच के बाद यह धमकी भी झूठी निकली। चिंता की बात यह है कि पिछले कुछ समय से मुंबई को लगातार ऐसी झूठी धमकियों से निशाना बनाया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह मामला शनिवार देर रात का है। करीब 11 बजे नायर अस्पताल के डीन को एक ईमेल मिला, जिसमें अस्पताल परिसर में बम होने और उसे उड़ा देने की बात लिखी गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत स्थानीय पुलिस और बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वाड की टीमें मौके पर पहुंच गईं।

सोलन में भारी बारिश से सड़कें बहीं, पीडब्ल्यूडी को पांच करोड़ का नुकसान

सोलन ,हिमाचल प्रदेश के सोलन में हाल ही में हुई भारी बरसात ने सड़कों को बुरी तरह प्रभावित किया है। भारी बारिश से पीडब्ल्यूडी को पांच करोड़ का नुकसान हुआ है। सहायक अभियंता ने जनता से सहयोग की अपील की।

लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के सहायक अभियंता सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि बरसात शुरू होने के बाद से अब तक विभाग को लगभग 5 करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है।

उन्होंने कहा कि लगातार पांच दिनों से जारी बारिश के चलते जगह–जगह सड़कें बंद हो रही हैं, कहीं पेड़ गिर रहे हैं तो कहीं रोड बह गई हैं। विभाग की मशीनरी और मैनपावर रात–दिन सड़कों को खोलने में जुटा है ताकि आम जनता को परेशानी न झेलनी पड़े।सुरेंद्र शर्मा ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि लोक निर्माण विभाग पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य कर रहा है, लेकिन जनता का सहयोग भी जरूरी है।उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि सोलन से जौणाजी रोड और सोलिनी मंदिर से बजडोल की तरफ जाने वाले एमसी रोड पर दो भू–मालिकों द्वारा प्लॉट काटने के दौरान निकाली गई मिट्टी को सड़क पर फेंक दिया जा रहा है। भारी बारिश के दौरान यही मिट्टी बार–बार सड़क को बंद कर देती है। पिछले 24 घंटों में यह सड़क आठ से दस बार अवरुद्ध हो चुकी है।उन्होंने बताया कि संबंधित भू–मालिकों को नोटिस दिया गया है। मिट्टी फेंकने का सिलसिलाअभी तक नहीं रुका। उन्होंने कहा कि इस तरह की लापरवाहियां न केवल सरकार को करोड़ों का नुकसान पहुंचा रही हैं, बल्कि आम जनता की जान जोखिम में डाल रही हैं। शर्मा ने बताया कि जिन सड़कों पर सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है, उनमें सोलन–जौणाजी रोड, ओच्छघाट – कुम्हारहट्टी रोड और सोलन–मीनस रोड प्रमुख हैं। बाकी लगभग सभी सड़कों पर एकतरफा आवागमन बहाल कर दिया गया है। पिछले 24 घंटों में प्रदेश में कई स्थानों पर भारी बारिश दर्ज की गई है। सोलन जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से करीब 150 पंचायतें प्रभावित हुई हैं।

बाढ़ से जूझ रहे पंजाब में आएंगे पीएम मोदी

अब तक राज्य में 46 मौतें, 2000 गांव डूबे

चंडीगढ़ , पंजाब इन दिनों भीषण बाढ़ की चपेट में है। राज्य के 23 जिलों के करीब 1,996 गांव पूरी तरह जलमग्न हो चुके हैं। अब तक 46 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 1.75 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में खड़ी फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। इस आपदा के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 सितंबर को गुरदासपुर जिले का दौरा करेंगे और स्थिति का जायजा लेने के साथ–साथ प्रभावित लोगों और किसानों से बातचीत करेंगे। अधिकारियों के अनुसार, हिमाचल प्रदेश और जम्मू–कश्मीर में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण रावी, सतलुज और व्यास नदियों में उफान आया है, जिससे पंजाब के कई इलाकों में बाढ़ जैसी गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई है। राज्य में बीते कुछ दिनों से हुई भारी वर्षा ने हालात को और भी बदतर बना दिया है। राज्य के वित्त मंत्री हरप्रीत सिंह चीमा ने इसे पिछले पांच दशकों की सबसे गंभीर बाढ़ करार दिया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के लगभग 2,000 गांवों में बाढ़ का प्रभाव देखा गया है और करीब 3.87 लाख लोग इससे प्रभावित हुए हैं। फसलों, पशुधन, घरों और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान हुआ है। चीमा के अनुसार, अब तक 22,854 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। राहत के लिए राज्यभर में 200 से अधिक शिविर स्थापित किए गए हैं, जहां 7,000 से अधिक लोग शरण लिए हुए हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (ह्रष्ठक्रस्न), राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (स्ठक्रस्न), सेना, सीमा सुरक्षा बल और पंजाब पुलिस संयुक्त रूप से राहत और बचाव कार्य में जुटी हैं। राहत कार्यों में 144 नावों का उपयोग किया जा रहा है। बांधों की स्थिति पर भी नजर रखी जा रही है। पोंग डैम का जलस्तर शनिवार को घटकर 1,394.19 फीट हो गया है, जो अभी भी इसकी अधिकतम सीमा 1,390 फीट से चार फीट ऊपर है। वहीं, भाखड़ा डैम का जलस्तर 1,678.14 फीट दर्ज किया गया है। इन डैमों से पानी का प्रवाह अब भी उच्च स्तर पर बना हुआ है।

फिरोजपुर जिले के तली गुलाम गांव में एक 50 वर्षीय व्यक्ति की तेज बहाव में बहने से मौत हो गई। जिले में नदी किनारे बसे गांवों के हालात अत्यंत गंभीर हैं। सरकार का कहना है कि बाढ़ से राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था को गहरा आघात पहुंचा है। आने वाले दिनों में केंद्र सरकार से विशेष राहत पैकेज की उम्मीद की जा रही है, खासकर प्रधानमंत्री मोदी के दौरे के बाद।

पुलिस को बड़ी सफलता, मुठभेड़ में मार गिराया 10 लाख का इनामी जोनल कमांडर

गोइलकेरा , गोइलकेरा थाना क्षेत्र के आराहासा पंचायत अंतर्गत रेला गांव स्थित बुरजूवा पहाड़ी के पास रविवार तड़के पुलिस और माओवादी नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। चाईबासा पुलिस कप्तान राकेश रंजन को गुप्त सूचना मिली थी कि रेला–पराल इलाके में नक्सलियों के सक्रिय सदस्य मौजूद हैं। सूचना के आधार पर पुलिस व सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। इस दौरान नक्सलियों ने सुरक्षा बलों पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में दोनों ओर से गोलीबारी हुई। पुलिस ने पूरे पहाड़ी क्षेत्र को घेर लिया है और नक्सलियों के भागने के रास्ते बंद करने की कोशिश की जा रही है। मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया है, जिसकी पहचान जोनल कमांडर **अमित हांसदा उर्फ अपटन** के रूप में हुई है।

अक्षय कुमार ने जुहू बीच साफ कर लोगों को दी सीख

मुंबई ,बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार को रविवार को मुंबई के जुहू बीच पर देखा गया। यहां वे एक सफाई अभियान में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने समुद्र तट की सफाई की और लोगों को खास संदेश भी दिया।

दरअसल, मुंबई के जुहू बीच पर गणपति विसर्जन के बाद कूड़ा–कचरा फैल जाता है। इसी कारण उसकी सफाई के लिए अभिनेता अक्षय कुमार भी पहुंचे। सफाई अभियान के दौरान उन्होंने लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया। उन्होंने कहा, ज्ञान सिखाता है कि हमें स्वच्छता बनाए रखनी चाहिए। हमारे प्रधानमंत्री भी समय–समय पर इस पर जोर देते रहते हैं। स्वच्छता केवल सरकार का कर्तव्य नहीं है, न ही केवल बीएमसी की जिम्मेदारी है, बल्कि यह जनता की भी जिम्मेदारी है। इस स्वच्छता अभियान में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस और बीएमसी कमिश्नर भूषण गगरानी भी शामिल हुए। इसकी कुछ तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

सम्पादकीय

सड़कों की बिगड़ती दशा

इस मानसून ओर भीषण बारिश में उत्तराखंड में अपने पीछे कही दर्द देने वाले निशान छोड़े हैं। हालांकि हर मानसून की एक ही कहानी है और हर बार उत्तराखंड भारी बारिश के कारण परेशानियों को झेलता आया है। उत्तराखंड के पहाड़ों को सबसे अधिक नुकसान क्षतिग्रस्त सड़कों के रूप में हुआ है। मानसून के बाद कई स्थानों पर भूस्खलन के कारण सड़के बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुई है। जरूरी है कि चार धाम यात्रा से पूर्व इन सड़कों को आवागमन की योग्य बनाया गया था, जिनकी अब हालत बिगड़ चुकी है। प्रदेश सरकार द्वारा पहाड़ों में सड़कों की दशा सुधारने एवं निर्माण को लेकर अच्छा खासा बजट खर्च किया जाता है। कहीं घटिया गुणवत्ता के कारण सड़क अधिक नहीं चलती तो कहीं प्राकृतिक आपदा की आड़ में सड़कों की निम्न गुणवत्ता और टिकाऊपन बह जाता है। जरूरी है कि उत्तराखंड में पहाड़ों की स्थिति को ध्यान में रखते हुए सड़कों के निर्माण के लिए तैयारी की जानी चाहिए। प्राकृतिक आपदा को छोड़ दें तो कई स्थानों पर तो ठेकेदारों ने अपनी नाकामियों का ठीकरा भी प्रकृति पर फोड़ना शुरू कर दिया है। पहाड़ी क्षेत्र में सड़कों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है ताकि न केवल स्थानीय लोगों को आवागमन की सुविधा हो बल्कि दुर्घटना से भी बचा जा सके। इसके अलावा पहाड़ों की सड़क स्थानीय लोगों की आजीविका को चलाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है और यदि सड़के ही क्षतिग्रस्त रहेंगी तो व्यावसायिक एवं सामाजिक अव्यवस्थाएं भी पैदा होगी। सामान्य व्यवस्थाओं को छोड़ दें तो पहाड़ों में वैसे भी सड़कों की स्थिति कोई खास अच्छी नहीं है। सड़कों के निर्माण का कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा मुख्य तौर पर किया जाता है और विभाग में टेंडर की प्रणाली का खेल किसी से छिपा नहीं है। पिछली बरसात में भी उत्तराखंड के पहाड़ों में सड़कों की बुरी दशा हुई है और कई सड़के तो ऐसी है जिन्हें दुरुस्त और पुरानी अवस्था में लाने के लिए लंबा समय लगने वाला है। सड़कों के निर्माण को लेकर कहीं ना कहीं प्राकृतिक आपदाओं की संभावनाओं को भी नजरअंदाज किया गया है जिसका मुख्य उदाहरण ऑल वेदर रोड है जिसे कई स्थानों पर ऐसे पहाड़ों को काटकर निकाला जा रहा है क्यों कभी भी दरक सकते हैं। उत्तराखंड के पहाड़ों में पर्यटन की संभावनाएं तलाशी जा रहीं हैं, लेकिन यदि परिवहन व्यवस्था ही जर्जर हालत में होगी तो फिर एक विकसित पर्यटन की कल्पना कैसे की जा सकती है? पहाड़ों में मैदानों जैसी व्यवस्थाओं के तहत सड़कों का निर्माण ना तो किया जा सकता है और ना ही यह सफल साबित होगी। इसके लिए उन्नत तकनीक की जरूरत है जो पहाड़ों में ही कारगर साबित हो। इसके लिए सिविल इंजीनियरों के विशेषज्ञों का पैनल तैयार किया जा सकता है या फिर हाईटेक इंजीनियरिंग यूनिवर्सिटीज की मदद ली जा सकती है। भरी बारिश से नष्ट हुई सड़कों की दशा ठीक करने के लक्ष्य पर सरकार को काम करना चाहिए। अभी भी पूरे प्रदेश में भारी बारिश जारी है और लगता नहीं की जल्द क्षतिग्रस्त सड़कों को सुधारने का काम शुरू होने वाला है।

2035 तक भारत का अपना अंतरिक्ष स्टेशन होगा

डॉ. जितेंद्र सिंह द्वारा

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह का कहना है कि गगनयान भारत की अंतरिक्ष आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगा, जो उसकी मानव अंतरिक्ष उड़ान क्षमताओं की पुनः पुष्टि करेगा और पृथ्वी के लिए लाभकारी अनुप्रयोगों सहित वैज्ञानिक ज्ञान में वृद्धि करेगा।

प्रश्नः भारत के अंतरिक्ष भविष्य के लिए गगनयान का सबसे बड़ा परिणाम क्या होगा?

उत्तरः अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत का उदय पहले ही हो चुका है और इसे वैश्विक स्तषर पर स्वी कार किया गया है। अब हम अनुयायी मात्र नहीं हैं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में समान भागीदार हैं। गगनयान मिशन एक और निर्णायक मोड़ का प्रतीक होगा। यह न केवल मानव अंतरिक्ष उड़ान में भारत की क्षमताओं की पुनःपुष्टि करेगा, बल्कि हमारे वैज्ञानिक ज्ञान में भी वृद्धि करेगा। अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला द्वारा सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण या माइक्रोग्रेविटी, कृषि और जीवन विज्ञान पर किए गए प्रयोगों के साथ–साथ, यह मिशन पृथ्वी पर अनुप्रयोगों के बारे में जानकारी प्रदान करेगा। यह भारत को अंतरिक्ष अन्वेषण में अग्रणी देश के रूप में स्थापित करेगा, जबकि हम बुनियादी ढाँचे, विकास और जीवन को सुगम बनाने के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग जारी रखेंगे।

प्रश्नः शुक्ला जैसे युवा अंतरिक्ष यात्रियों के आने से, हमारी मानव अंतरिक्ष यात्रा को आकार देने में युवाओं की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है?

उत्तरःअंतरिक्ष सहित हर क्षेत्र में भारत के भविष्य के लिए युवा अपरिहार्य हैं। हमारी 70 प्रतिशत से अधिक आबादी 40 वर्ष से कम आयु की है, इसलिए स्वाभाविक रूप से, वे विकसित भारत के पथप्रदर्शक हैं। अंतरिक्ष में, शारीरिक और मानसिक अनुकूलनशीलता की आवश्यकता के कारण युवाओं को बढ़त हासिल है। उदाहरण के लिए, गगनयान के लिए प्रशिक्षित चार अंतरिक्ष यात्रियों में, शुभांशु सबसे कम उम्र के थे और यह बात लाभदायक रही। अंतरिक्ष मिशनों के लिए त्वरित अनुकूलन की आवश्यकता होती है, जिसे युवा अधिक कुशलता से संभाल सकते हैं।

प्रश्नःक्या आपको लगता है कि गगनयान वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और महिला अंतरिक्ष यात्रियों के लिए संभावनाओं के द्वार खोलेगा?

उत्तरःजी बिल्कुल। अंतरिक्ष विज्ञान में पुरुषों और महिलाओं के बीच कोई भेद नहीं है। 15 अगस्त, 2018 को जब प्रधानमंत्री नरेन्?द्र मोदी ने पहली बार गगनयान की घोषणा की थी, तो उन्होंने कहा था कि भारत का एक बेटा या बेटी अंतरिक्ष में जाएंगे । वर्तमान में, चयनित चार अंतरिक्ष यात्री पुरुष हैं, वे वायु सेना से हैं और इसका कारण मुख्यतः उनका उन्नत प्रशिक्षण प्राप्तघ होना है। लेकिन आगे चलकर, वायु सेना से बाहर के अंतरिक्ष यात्रियों को भी शामिल किया जाएगा, जिनमें महिलाएँ भी होंगी। वैश्विक स्तर पर, महिलाएँ अंतरिक्ष अन्वेषण में अग्रणी रही हैं। भारत में भी, इसरो की कई परियोजनाओं का नेतृत्व महिला वैज्ञानिकों ने किया है, चाहे वह चंद्रयान हो, आदित्य हो या अन्यप्रश्नः क्या गगनयान भारत के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानवयुक्त अंतरिक्ष यान मिशनों में शामिल होने या अपना स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करेगा?उत्तरःभारत 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन नामक स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने वाला है। प्रधानमंत्री ने सुदर्शन सुरक्षा चक्रका भी उल्लेख किया है, जहाँ अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी राष्ट्रीय सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसलिए, 2035 एक युगांतकारी वर्ष होगा... उसके पाँच साल बाद, भारत का लक्ष्य चंद्रमा की सतह पर मानव सहित मिशन भेजना है।

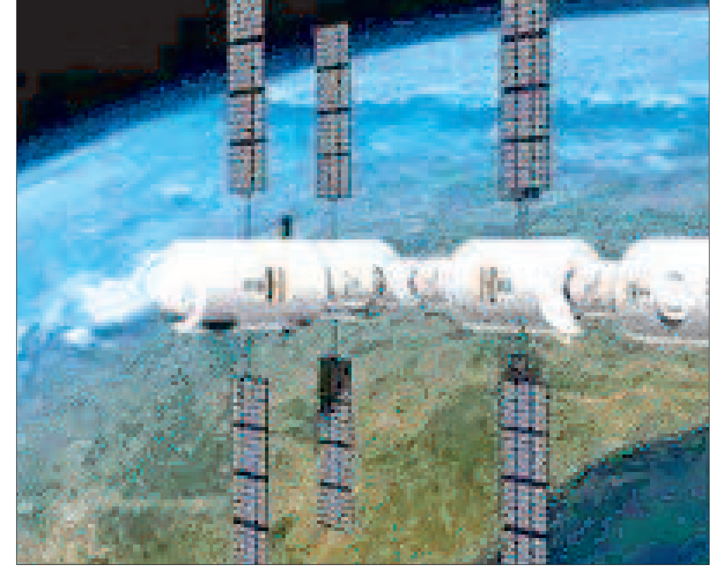

प्रश्नः भारत सेमीकंडक्टर और एआई तकनीकों में प्रगति कर रहा है, ऐसे में सरकार भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन जैसी परियोजनाओं के लिए सेमीकंडक्टर मिशन को अंतरिक्ष–स्तरीय आवश्यकताओं के साथ कैसे जोड़ रही है?उत्तरःसेमीकंडक्टरों के व्यापक अनुप्रयोग होंगे, जिनमें अंतरिक्ष मिशन भी शामिल हैं। इसी प्रकार, छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर न केवल पृथ्वी के घने या दुर्गम क्षेत्रों में, बल्कि लंबी अवधि के अंतरिक्ष अभियानों के लिए भी महत्वपूर्ण होंगे। ये तकनीकें अंतरिक्ष स्टेशन जैसी भविष्य की परियोजनाओं को बनाए रखने में महत्वपूर्ण होंगीप्रश्नः चंद्रमा या मंगल मिशन के दौरान आप भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को किस प्रकार के प्रयोग करते देखना चाहेंगे?उत्तरःहाल के मिशन में, प्रयोगों को सात श्रेणियों में बांटा गया था। जीवन विज्ञान विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा। उदाहरण के लिए, मायोजेनेसिस–सूक्ष्मगुरुत्व या माइक्रोग्रेविटी में मांसपेशियों के क्षय और पुनर्जनन–का अध्ययन कैंसर, मधुमेह या यहाँ तक कि पृथ्वी पर फ्रैक्चर से उबरने जैसी स्थितियों के लिए सीधे तौर पर प्रासंगिक है। एक अन्य समूह ने लंबे समय तक स्क्रीन के संपर्क में रहने के संज्ञानात्मक प्रभावों का अध्ययन किया, जो आज के डिजिटल युग में अत्यधिक प्रासंगिक है। हमने सूक्ष्मगुरुत्व या माइक्रोग्रेविटी में मेथी जैसे पौधे उगाने का भी प्रयोग किया, जो पुनर्योजी जीव विज्ञान और आनुवंशिक अनुप्रयोगों से संबंधित अनुसंधान में सहायक हो सकता है।

मुख्य बात यह है कि अंतरिक्ष प्रयोग केवल कक्षा में मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि वे पृथ्वी पर लोगों के लिए भी लाभकारी हैं और विश्वगुरु भारत के विचार को आगे बढ़ाते हैं।

प्रश्नः स्पैडेक्स के बाद, भारत वैश्विक ग्राहकों के लिए अंतरिक्ष डॉकिंग और उपग्रह सेवा का मुद्रीकरण कब शुरू करेगा?

उत्तरःहमने स्पैडेक्स के माध्यम से डॉकिंग और अनडॉकिंग का अनुभव प्राप्त करना शुरू कर दिया है। आगामी चंद्रयान–4 मिशन, जो 2028 के आसपास अपेक्षित है, में जटिल डॉकिंग और अनडॉकिंग प्रक्रियाएँ करने वाले कई मॉड्यूल शामिल होंगे। इससे हमें अंतरिक्ष स्टेशन जैसी बड़ी परियोजनाओं के लिए आवश्यक विशेषज्ञता प्राप्त होगी। अंतरिक्ष पर्यटन व्यवहार्य होते ही, डॉकिंग तकनीक यात्री सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण होगी। समय के साथ, भारत द्वारा वैश्विक ग्राहकों के लिए डॉकिंग, सर्विसिंग और पर्यटन संबंधी बुनियादी ढाँचा प्रदान करने के साथ ही मुद्रीकरण भी होगा।

प्रश्नः भारत सार्वजनिक–निजी भागीदारी के माध्यम से पाँच वर्षों में 52 जासूसी उपग्रह प्रक्षेपित करने की योजना बना रहा है। ऐसे सहयोगों से राष्ट्रीय सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी?उत्तरःसुरक्षा उपाय पहले से ही मौजूद हैं। हमने इन–स्पेतस (भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र) बनाया है, जो अंतरिक्ष में सार्वजनिक–निजी भागीदारी को नियंत्रित करता है। यह सुरक्षा संबंधी सरोकारों का पूरी तरह ध्यान में रखना सुनिश्चित करते हुए सहयोग के पैमाने और प्रकृति का निर्धारण करता है। साथ ही, हमने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति देकर इस क्षेत्र को उदार बनाया है। विनियमन और खुलेपन का यह संतुलन राष्ट्रीय हितों से समझौता किए बिना नवाचार को संभव बनाता है।

प्रश्नः 1,000 करोड़ रुपये के उद्यम पूंजी कोष को मंजूरी मिल गई है, लेकिन पिछले साल अंतरिक्ष–तकनीक फंडिंग में कमी आई। यह कोष स्टार्टअप्स को कैसे सहायता देगा?

उत्तरःकुछ साल पहले तक, अंतरिक्ष क्षेत्र में स्टार्टअप्स का होना लगभग असामान्य था। आज, हमारे पास लगभग 400 स्टार्टअप हैं, जिनमें से कुछ पहले ही सफल उद्यमी बन चुके हैं। स्टार्टअप केवल रॉकेट लॉन्च करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये मैपिंग, स्मार्ट सिटी, कृषि, टेलीमेडिसिन और दूरसंचार जैसे क्षेत्रों में भी फैले हुए हैं।

इस कोष का उद्देश्य उन्हें आगे बढ़ने के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करना है। अंतरिक्ष अचानक करियर का एक आकर्षक विकल्प बन गया है। एयरोस्पेस इंजीनियरिंग, जो कभी एक विशिष्ट क्षेत्र हुआ करता था, अब आईआईटी में सबसे अधिक मांग वाली शाखाओं में से एक है। यह बदलाव अपने आप में इस क्षेत्र में बढ़ते अवसरों को दर्शाता है।

प्रश्नः भारत ने 2033 तक वैश्विक अंतरिक्ष बाजार का 8 प्रतिशत हिस्सा प्राप्त् करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उपग्रह प्रक्षेपणों के अलावा, कौन सी तकनीकें भारत को स्पेसएक्स और चीन से मुकाबला करने में मदद करेंगी?

उत्तरःज़्यादा ध्यान रॉकेट और प्रक्षेपणों पर है, लेकिन लगभग आधे अंतरिक्ष अनुप्रयोग पृथ्वी पर ही हैं। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कृषि, बुनियादी ढाँचे और यहाँ तक कि युद्ध में भी एकीकृत है। प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना का ही उदाहरण लें; यह समय, धन और कागजी कार्रवाई बचाने के लिए उपग्रह चित्रों का उपयोग करती है, जिससे आर्थिक विकास में सीधा योगदान मिलता है। इसी तरह, अंतरिक्ष इनपुट किसानों को बुवाई और फसल उगाने का समय तय करने में मदद करते हैं। ये बचत धन सृजन जितनी ही मूल्यवान है। इसलिए हमें उम्मीद हैं कि भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था, जो वर्तमान में लगभग 8 बिलियन डॉलर है, अगले दशक में पाँच गुना बढ़कर 40–45 बिलियन डॉलर हो जाएगी, जिससे भारत को वैश्विक रैंकिंग में ऊपर उठने में मदद मिलेगी।

प्रश्न/ क्या आप केवल वायु सेना के पायलटों को ही नहीं, बल्कि आम नागरिकों को भी भारत के अंतरिक्ष यात्री समूह में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करेंगे?

उत्तरःबिल्कुल। फ़िलहाल, वायु सेना के पायलट हाई एल्टीट्यूड जेट विमानों में प्रशिक्षण के कारण बेहतर रूप से तैयार हैं, लेकिन यह तो बस शुरुआत है। भविष्य में, हमारे अंतरिक्ष यात्री समूह का विस्तार होगा और इसमें आम नागरिक, महिलाएँ, जैव–प्रौद्योगिकीविद, अंतरिक्ष चिकित्सक और यहाँ तक कि मीडिया पेशेवर भी शामिल होंगे ताकि मिशनों को वास्तविक समय में रिकॉर्ड किया जा सके। जैसे–जैसे यह प्रणाली विकसित होगी, भारत को अपनी महत्वाकांक्षी योजनाओं को पूरा करने के लिए अंतरिक्ष यात्रियों के एक बड़े और अधिक वैविध्यापूर्ण समूह की आवश्यकता होगी।

जनसांख्यकीय परिवर्तन साजिश

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का कहना है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यकीय परिवर्तन सोची–समझी साजिश के तहत हो रहा है, जो देश और इसकी सीमाओं की सुरक्षा को सीधे प्रभावित करता है। उन्होंने सीमाओं से तीस किलोमीटर के दायरे में सभी अतिक्रमण हटाए जाने की बात उठाई। समुद्री और स्थलीय सीमाओं पर अतिक्रमण हटाने में सराहनीय कार्य करने के लिए गुजरात सरकार की प्रशंसा भी की। दिल्ली में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए सीमावर्ती गांवों से पलायन रोकने, वहां के प्रत्येक नागरिक को सरकारी योजनाओं का सौ फीसद लाभ देने और गांवों की सीमा तथा राष्ट्रीय सुरक्षा को पुख्ता करने को विकसित करने की चर्चा की।केंद्र सरकार द्वारा फरवरी, 2023 से

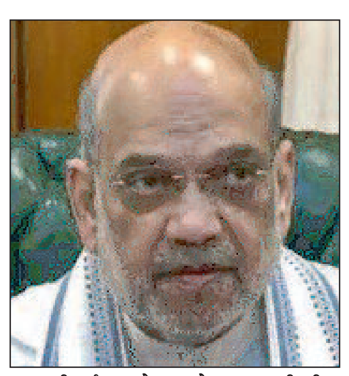

शुरू की गई इस योजना के तहत उत्तरी सीमा पर स्थित अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, उत्तराखंड, हिमाचल और केंद्रशासित लद्दाख के उन्नीस जिलों के 46 प्रखंडों को व्यापक विकास के लिए लिया जा चुका है। इनमें से कुछ को भारत का अंतिम गांव कहा जाता है, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रथम गांव की संज्ञा दी है। इस देशव्यापी विकास योजना के अंतर्गत सरकार यहां महिलाओं और युवाओं के सशक्तिकरण, सड़क मागरे की कनेक्टिविटी, स्वच्छ पेयजल, बिजली, पर्यटन और स्वास्थ्य केंद्रों के सुधार पर काम कर रही है। बेशक, देश के सीमावर्ती गांवों की लंबे समय तक होती रही उपेक्षा के चलते स्थानीय ग्रामीणों को पलायन करना पड़ता था। रोजगार और शिक्षा, स्वास्थ तथा बेहतर जीवन यापन के लिए वे करीबी कस्बों या शहरों में जाकर बस जाते थे।

देश में तकरीबन सवा छह लाख गांव हैं जिनमें से अधिकतर कृषि, पारंपरिक उत्पादों, संस्कृति, लोक गीतों–लोक नृत्यों के अलावा नदियों, झीलों और उपज के लिए प्रसिद्ध हैं। परंतु उचित शिक्षा, रोजगार, बिजली, पेयजल और इंटरनेट की कमी के चलते नौजवान वहां रहने को राजी नहीं होते। खासकर सीमावर्ती गांवों के इंफ्रास्ट्रक्चर, संस्कृति के संरक्षण और पर्यटन को बढ़ावा देकर रोजगार निश्चित करने का प्रयास कर रही है। परंतु इन गांवों की सुरक्षा भी अहम मुद्दा है। ग्रामीण परिवार नौजवानों की सुरक्षा को लेकर भी कम आशंकित नहीं रहते। सरकारी दावों और धरातली हकीकत में कई दफा जमीन–आसमान का अंतर देखने में आता है जिससे सरकार को गंभीरतापूर्वक निपटने के प्रयासों को तेज करना आवश्यक है। सवाल सिर्फ सीमावर्ती गांवों का ही नहीं है। सामाजिक–आर्थिक बदलाव और आधुनिकीकरण के चलते नौजवानों का शहरों की तरफ हो रहा पलायन रोकना बड़ी चुनौती बनती जा रही है।

बुनियादी ढांचे की कमी महिलाएं ज्यादा असुरक्षित

देश में प्रति दिन औसतन 86 रेप होते हैं। यह संख्या वह है, जो पुलिस के रिकार्ड में दर्ज की जाती है। हर दिन होने वाले ढेरों रेप या रेप के प्रयास, हिंसक छेड़छाड़ और अभद्रता की संख्या का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। राष्ट्रीय वार्षिक महिला सुरक्षा रिपोर्ट व सूचकांक–2025 के अनुसार दिल्ली समेत पटना, जयपुर, कोलकाता, श्रीनगर, रांची व फरीदाबाद महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित हैं जबकि मुंबई, कोहिमा, भुवनेर, विशाखापत्तनम व गंगटोक सबसे सुरक्षित। कोहिमा व अन्य सुरक्षित शहरों में महिलाओं को ज्यादा समानता, नागरिक भागीदारी, बेहतर पुलिस व्यवस्था व अनुकूल बुनियादी ढांचा बताया जा रहा है। यह सव्रेक्षण देश के इक्तीस शहरों की बारह हजार 770 महिलाओं पर किया गया। दस में से छह महिलाओं ने खुद को अपने शहर में सुरक्षित बताया जबकि 40 प्रतिशत ने ज्यादा सुरक्षित नहीं या असुरक्षित माना। करीब 91 प्रतिशत महिलाएं कार्यस्थल पर खुद को सुरक्षित बता रही हैं। 7 प्रतिशत महिलाएं मानती हैं कि सार्वजनिक स्थल पर उन्होंने बीते वर्ष उत्पीड़न झेला। हालांकि हर तीन में से दो महिलाएं उत्पीड़न की शिकायत नहीं करतीं। 29 प्रतिशत सार्वजनिक परिवहन में और 38 प्रतिशत पड़ोस में उत्पीड़न का शिकार होती हैं। जिन शहरों में बेहतर बुनियादी ढांचे की कमी है, वहां महिलाएं ज्यादा असुरक्षित हैं। स्वीकार करना होगा कि असुरक्षित महसूस करने वाली जगहों के नागरिकों की शिक्षा, सोच व संस्थागत जवाबदेही का कमजोर होना प्रमुख कारण हैं। हालांकि सवा अरब की आबादी में पौने तेरह हजार महिलाओं पर अध्ययन नाममात्र ही कहा जाएगा। ऐसे अध्ययनों में कुछ लाख नागरिकों को शामिल किया जाना चाहिए। रस्मादायगी के तौर पर सव्रेक्षण समाज या देश के लिए हितकारी नहीं कहे जा सकते। इनके निष्कषरे के अनुसार कदम उठाए जाने चाहिए। राज्य सरकारों, महिला आयोग जैसी संस्थाओं पर कड़ाई रहनी चाहिए। पितृसत्तात्मक बर्ताव, स्त्री उपेक्षा व लैंगिक विभेद के प्रति नागरिकों को जागरूक करना होगा। आंकड़ों को प्रकाशित/प्रसारित करने भर की रस्म से सुधार संभव नहीं हैं। जमीनी स्तर पर भी गंभीरतापूर्वक काम होना चाहिए। रेप, छेड़छाड़, व्यभिचार को असुरक्षा की स्थिति से अलग नहीं किया जा सकता। सोच और रवैया, दोनों बदलने के साथ ही संबंधित विभागों, पुलिस और प्रशासन को जिम्मेदार बनाना भी जरूरी है।

मनोज बाजपेयी की फिल्म जुगनुमा का ट्रेलर रिलीज़

अभिनेता मनोज बाजपेयी की अपकमिंग फिल्म जुगनुमा का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म के ट्रेलर में 80 के दशक की कहानी दिखाई गई है।इसमें दिखाया गया है कि पहाड़ों पर लगी आग ने कैसे फसलों को बर्बाद किया और हंसते–खेलते लोगों को परेशान कर दिया। ट्रेलर में मनोजबाजपेयी इस बात की खोज करते हैं कि आग कैसे लगी।

फिल्म जुगनुमा एक जादुई फिक्शनल ड्रामा है। फिल्म के ट्रेलर में दिखाया गया है कि मनोज बाजपेयी और उनका परिवार पहाड़ों पर खुशहाली कीजिंदगी गुजारता है। पहाड़ों पर बागों में अच्छी फसल होती है, जिससे लोगों के घर चलते हैं। हालांकि यह खुशहाली बहुत दिनों तक नहीं रही।

ट्रेलर में आगे दिखाया गया है कि बागों में दवा डाली जाती है ताकि फसल अच्छी हो। हालांकि मनोज बाजपेयी को दवाओं से डर लगता है। इसकेबाद मनोज बाजपेयी को एक महिला बताती है कि नए लोग उसके घर की तरफ देख रहे थे। इसके बाद मनोज बाजपेयी को रात में फोन आता है औरवह परेशान हो जाते हैं।

इतने में मनोज बाजपेयी की बेटी दौड़ते हुए कहीं से आती है और वह उनको बताती है कि बागों में आग लगी है। आग की वजह से फसल बर्बाद होजाती है। ऐसे में मनोज बाजपेयी को लगता है कि कोई उनसे बदला ले रहा है। अधिकारी मनोज बाजपेयी को बताते हैं कि यह मामला बहुत गंभीर है।ऐसे में मनोज बाजपेयी कहते हैं कि कोई मुझे कुछ बताना चाहता है? क्या किसी को मुझसे कुछ चाहिए?

आर्यना सबालेंका ने लगातार दूसरी बार यूएस ओपन महिला एकल खिताब जीता

–अमेरिकी खिलाड़ी को एकतरफा मुकाबले में हराया

नई दिल्ली,यूएस ओपन 2025 के महिला एकल फाइनल में गत चैंपियन आर्यना सबालेंका का सामना अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा से हुआ. दोनों खिलाड़ियों ने अंतिम दौर में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था, इसलिए खिताबी मुकाबला रोमांचक होने की उम्मीद थी. हालांकि, 27 वर्षीय बेलारूसी खिलाड़ी और मौजूदा विश्व नंबर एक आर्यना सबालेंका ने महज 2 सेटों में फाइनल मुकाबला जीतकर लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम किया. इस दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी ने अनिसिमोवा को एक घंटे 34 मिनट तक चले मुकाबले में 6–3, 7–6 (3) सेटों में हराया. आर्यना सबालेंका और अमांडा अनिसिमोवा के बीच हुए फाइनल मुकाबले की बात करें तो आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले का पहला सेट सबालेंका ने 6–3 से जीतकर 1–0 की

बढ़त बना ली थी. इसके बाद दूसरे सेट में सबालेंका और अनिसिमोवा के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, जिसके बाद मुकाबला टाईब्रेकर तक पहुंच गया. इसके बाद सबालेंका ने 7–3 से जीत हासिल की और फाइनल मुकाबला 6–3, 7–6 (7/3) से जीतकर खिताब अपने नाम किया. इसके साथ ही सबालेंका ने अपने करियर का चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब भी जीत लिया.विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने पिछले यूएस ओपन के फाइनल में अमेरिका की जेसिका पेगुला को हराया था. इस साल सबालेंका ने तीसरी बार किसी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में प्रवेश किया था, पिछली दो बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा था. वहीं, अनिसिमोवा के खिलाफ उनका रिकॉर्ड बहुत अच्छा नहीं रहा है, लेकिन फाइनल में सबालेंका ने दबदबा बनाया. इसके साथ ही, सबालेंका 2012–14 के बाद सेरेना विलियम्स के बाद लगातार दो बार यूएस ओपन खिताब जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी बन गईं. यूएस ओपन 2025 के पुरुष एकल फाइनल में दुनिया के नंबर 1 और नंबर 2 खिलाड़ियों के बीच मुकाबला होगा. यानिक सिनर और कार्लोस अल्काराज के बीच होने वाले इस मुकाबले के नतीजे पर सभी की निगाहें टिकी रहेंगी, जिसमें साल का आखिरी ग्रैंड स्लैम जीतने वाला खिलाड़ी रैंकिंग में नंबर 1 स्थान पर बना रहेगा.

ऐश्वर्य ठाकरे और वेदिका पिंटो की अनोखी जोड़ी ने जीता दिल

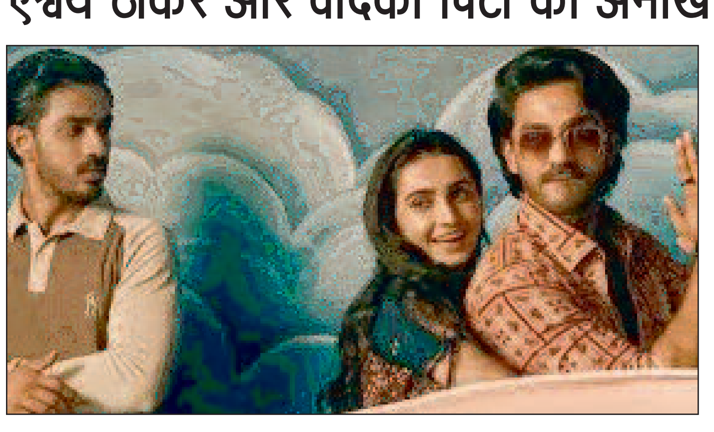

अमेज़न एमजीएम स्टूडियोज़ इंडिया ने अपनी आगामी सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली फ़िल्म निशानची के पहले लुक के साथ माहौल को और भी गर्मा दिया है। एक्शन, ड्रामा और कामेडी के ज़बरदस्त मिश्रण का वादा करते हुए, यह पहला लुक एक्शन और दिल दहला देने वाले हास्य से भरपूर एक ज़बरदस्त कहानी की ओर इशारा करता है। इस उत्साह को और बढ़ाता है नींद भी तेरी गाना, जिसमें निर्देशक अनुराग कश्यप की एक और शानदार आन–स्क्रीन जोड़ी, ऐश्वर्या ठाकरे और वेदिका पिंटो नज़र आ रही हैं।निशानची के गाने नींद भी तेरी में ऐश्वर्या ठाकरे और वेदिका पिंटो अपरंपरागत, सहज, देहाती और पूरी तरह से प्रामाणिक अंदाज़ में नज़र आ रही हैं। यह गाना फ़िल्म के रोमांटिक लहजे को उजागर करता है और अनुराग कश्यप की फिल्मों से अपेक्षित अनोखी जोड़ी को दर्शाता है। यह देखने में थोड़ा अलग और ताज़ा लगता है, बिल्कुल गैंग्स आफ़ वासेपुर 2 में नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी और हुमा कुरैशी की केमिस्ट्री की तरह। जिस तरह अनुराग कश्यप ने हमें कई बार ऐसी अनोखी आन–स्क्रीन जोड़ियाँ दी हैं, उसी तरह ऐश्वर्या और वेदिका यहाँ भी एक ख़ास चमक लाती हैं।

रहस्य और डर से भरी है हारर–थ्रिलर फिल्म किष्किंधापुरी की दुनिया

अभिनेता बेलमकोंडा साई श्रीनिवास और अनुपमा परमेश्वरन की बहुप्रतीक्षित हारर–थ्रिलर फिल्म किष्किंधापुरी के मेकर्स ने घोषणा की कि यह फिल्म इस साल 12 सितंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। प्रोडक्शन हाउस शाइन स्क्रीन्स ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इसे रिलीज किया गया। उन्होंने लिखा, रहस्य, रोमांच और डर से भरी दुनिया में आपका स्वागत है। किष्किंधापुरी 12 सितंबर को दुनियाभर में रिलीज होने जा रही है! फिल्म यूनिट से जुड़े सूत्रों ने बताया है कि किष्किंधापुरी की कहानी एक खास और अनोखी दुनिया के इर्द गिर्द रची गई है, और यह फिल्म दर्शकों को रहस्य और डर की दुनिया से रूबरू कराएगी। इसकी पहली झलक अप्रैल में दिखाई गई थी, जिसने सिहरन पैदा कर दी थी। वीडियो की शुरुआत में बेलमकोंडा साई श्रीनिवास और अनुपमा परमेश्वरन एक भूतिया घर में जाते दिखाई देते हैं,

अभिषेक शर्मा एशिया कप में रचेंगे इतिहास

–शिखर धवन का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ हासिल करेंगे खास मुकाम

नई दिल्ली, भारतीय क्रिकेट टीम एशिया कप 2025 में खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं. टीम इंडिया के दल में अभिषेक शर्मा को बतौर ओपनर स्थान दिया गया है. वो टीम के लिए शुभमन गिल के साथ पारी की शुरुआत करते हुए नजर आ सकते हैं. ऐसे में उनके पास एशिया कप में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन को पीछे छोड़कर एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम करने का मौका होगा.

दरअसल, अभिषेक शर्मा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में एक कैलेंडर वर्ष में

सबसे अधिक छक्के लगाने के मामले में शिखर धवन को पीछे छोड़ने की दहलीज पर हैं. धवन ने साल 2018 में 17 पारियों में 25 छक्के लगाए थे. अब अभिषेक शर्मा अब इस रिकॉर्ड के बेहद करीब हैं, वो जल्द ही इस रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं.

भारत के इस 25 वर्षीय तूफानी बल्लेबाज ने भारत के लिए साल 2025 में बेहतरीन प्रदर्शन किया है. अभिषेक शर्मा ने 5 पारियों में कुल 22 छक्के लगाए हैं. इसके साथ ही वो अब इतिहास रचने की कगार पर हैं. धवन ने एक साल में 25 छक्के लगाए हैं. अभिषेक उसने सिर्फ 3 छक्के पीछे हैं. ऐसे में वो अगर एशिया कप में 4 छक्के लगा देते हैं तो शिखर धवन को पीछे छोड़ देंगे.

अभिषेक शर्मा ने भारत के लिए 2024 में आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद डेब्यू किया था. वो अब तक इंडियन क्रिकेट टीम के लिए 17 टी20 मैच खेल चुके हैं. इस दौरान उन्होंने 16 पारियों में 2 शतक और 2 अर्धशतकों की बदौलत 535 रन बनाए हैं. उनका औसत 33.4 का रहा है जबकि उनका स्ट्राइक रेट 193.8 का रहा है. अभिषेक के नाम 46 चौके और 41 छक्के भी दर्ज हैं.

संक्षिप्त समाचार

पत्रकार देवेंद्र सिंह के योगदान को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः नगर में व्यापार मंडल सभागार में आयोजित कार्यक्रम में पत्रकार देवेंद्र सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि देवेंद्र सिंह एक पत्रकार ही नहीं, बल्कि समाज के शोषित व पीड़ितों की साथ खड़े रहने वाले व्यक्ति थे। पत्रकार के रूप में वे समाज के शोषित व पीड़ितों के लिए संघर्ष करते रहे। वे हमेशा न्याय की बात करते थे, जिससे समाज में भाईचारा व सांप्रदायिक सद्भाव बना रहे। तय किया गया कि देवेंद्र सिंह की स्मृति में एक संस्था का गठन किया जाएगा, जिससे उनकी स्मृति को चिरस्थाई बनाया जा सके। कार्यक्रम में वक्ताओं ने राज्य के मौजूदा हालात पर पक्ष–विपक्ष की भूमिका भी अपने विचार प्रकट किए। इस मौके पर स्व.देवेंद्र सिंह की धर्मपत्नी अंजू सिंह, पुत्री मृदुला सिंह, निवेदिता सिंह, चंद्रमोहन शुक्ला, सूरज कुकरेती, उम्मेद सिंह, डा.जेपी ध्यानी, विपिन उनियाल, अतुल भट्ट, महेंद्र सिंह रावत, मनोज सिंह, महफूज आलम, सुशांत सिंह, योगेश, जगदीश जोशी मौजूद रहे।

बेहतर विकास पर दिया जोर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः जिला पंचायत सदस्यों की पहली बोर्ड बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला पंचायत सदस्यों ने सभी क्षेत्रों में एक समान विकास कार्य किए जाने पर जोर दिया। सदस्यों ने कहा कि पौड़ी जिला पंचायत के इस कार्यकाल को स्वर्णिम कार्यकाल बनाने के लिए भरसक प्रयास किए जाएंगे। जिला पंचायत सभागार में आयोजित बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष रचना बुटोला ने कहा कि सभी जिला पंचायत सदस्यों के साथ मिलकर विकास कार्य किए जाएंगे। कहा कि सभी क्षेत्रों में विकास कार्यों में कोई कमी नहीं की जाएगी। सभी क्षेत्रों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ हल करने का प्रयास किया जाएगा। कहा कि सभी जिला पंचायत सदस्यों के साथ मिलकर जिला पंचायत के इस कार्यकाल को स्वर्णिम कार्यकाल बनाने पर काम किया जाएगा। बैठक में जिला पंचायत सदस्यों ने इन दिनों आपदा से क्षतिग्रस्त हुए कायी को प्राथमिकता के आधार पर किए जाने पर जोर दिया। बैठक में जिला पंचायत उपाध्यक्ष आरती नेगी, सदस्य चंद्रभानु, चैत सिंह, बुद्धि सिंह, सीमा चमोली आदि शामिल रहे।

मौणा से ऊपर पहाड़ी पर दरार आने से लोगों में दहशत

चमोली। विकासखंड कर्णप्रयाग के मौणा गांव से लगभग 500 मीटर ऊपर वन पंचायत के अंतर्गत चीड़ के जंगल के बीच 70 से 100 मीटर जमीन पर लंबी दरारें आने से ग्रामीण दहशत में हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यहां जमीन करीब आठ मीटर नीचे खिसक गई है। जो कि भविष्य में बहुत बड़े खतरे को संकेत दे रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से क्षेत्र का मौका मुआयना करने की मांग उठाई है। कर्णप्रयाग सहित आसपास के क्षेत्र लंबे समय से भूस्खलन की जद में हैं। बहुगुणानगर, सुभाषनगर, अपर बाजार सहित आईटीआई मोहल्ले के लोग पहले से ही भूधंसाव व भूस्खलन से परेशान हैं। अब नैनीसैंण मार्ग पर कर्णप्रयाग आईटीआई के ऊपरी क्षेत्र में भी बड़े क्षेत्र से भूस्खलन हो रहा है। ऐसे में बारिश के दौरान लोगों को जागना पड़ रहा है। भूस्खलन से कर्णप्रयाग–नैनीसैंण मोटर मार्ग कई दिनों से बाधित हैं। लोग सिमली के रास्ते आवाजाही कर रहे हैं। वहीं, सामाजिक कार्यकर्ता अनूप चौहान ने बताया कि मौणा गांव के ऊपरी भाग में भी भूस्खलन जोन बन गया है। इसके नीचे कई मकानें और लोगों की खेती की जमीन है। गांव लंबे दशकों से भूस्खलन की मार झेल रहा है। इस बार की बरसात से भूस्खलन का दायरा बढ़ गया है। उन्होंने प्रशासन से तुंरत सुरक्षात्मक उपाय करने की मांग उठाई है।

सोल क्षेत्र में सड़क बनाने में जुटे लोनिवि

चमोली। आपदा की मार झेल रहे थराली क्षेत्र के लोगों की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। हाल ही में हुई भारी बारिश और भूस्खलन से थराली–दुंगरी मोटर मार्ग बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। मार्ग का शुरुआती 1.50 किलोमीटर हिस्सा कोटडीप तक पूरी तरह बंद है, जबकि सात किलोमीटर तक कई स्थानों पर सड़क का अस्तित्व तक मिट गया है। परिणामस्वरूप शोल पट्टी के लगभग 14 गांवों का थराली से सड़क संपर्क पूरी तरह टूट गया है। पीएमजीएसवाई कर्णप्रयाग के अधिशासी अभियंता प्रमोद गंगाडी ने बताया कि मार्ग को युद्ध स्तर पर सुचारु करने के प्रयास जारी हैं, किंतु लगातार हो रही बारिश बाधा बन रही है। उन्होंने कहा कि राहत कार्यों में तेजी लाने के लिए विभाग ने एक अतिरिक्त एलएनटी एक्सकेवेटर मशीन देहरादून से मंगवाई है,

52 पव्वे अंग्रेजी शराब के साथ व्यक्ति गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः शहर में अवैध शराब के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। कलालघाटी पुलिस ने 52 पव्वे अंग्रेजी शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। व्यक्ति के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रमेश तनवार ने बताया कि पुलिस कलालघाटी क्षेत्र में अभियान चला रही थी। इसी दौरान एक युवक हाथ में थैले पकड़े हुए संदिग्ध अवस्था में घूमता हुआ दिखाई दिया।

कलालघाटी पुलिस की हिरासत में शराब के साथ पकड़ा गया व्यक्ति

बताया कि जब थैले की तलाशी ली गई तो उससे शराब बरामद हो गई। आरोपित की पहचान लोकमणिपुर निवासी सोनू कुमार के रूप में हुई। इस दौरान पुलिस ने आमजन से भी अवैध खराब बेचने वालों की जानकारी देने की अपील की। कहा कि पुलिस नशे के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई कर रही है। शहर में किसी भी तरह का अवैध नशा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पचास किलोग्राम चरस के साथ चार गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः कोतवाली पुलिस ने बीती रात सिद्धबली बैरियर पर एक वैगन–आर कार से पचास किलोग्राम चरस बरामद की है। मामले में दो महिलाओं समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बरामद गांजा थलीसैण से लाया जा रहा था।

बीती रात पुलिस उपनिरीक्षक राजाराम डोभाल के नेतृत्व में सिद्धबली बैरियर पर वाहनों की चैकिंग कर रही थी। चैकिंग के दौरान दुगड्डा से कोटद्वार की ओर आ रही एक वैगन–आर कार बैरियर से पहले रूक गई। साथ ही चालक कार को बैक करने का प्रयास करने लगा। मामला संदिग्ध देख पुलिस टीम तत्काल हरकत में आई व कार को दबोच लिया। कोतवाली प्रभारी रमेश तनवार ने बताया कि चैकिंग के दौरान कार से चार कट्टों में गांजा बरामद हुआ। बताया कि बरामद गांजा पचास किलोग्राम से अधिक था। पुलिस ने मामले में कार में सवार जनपद बिजनौर के अंतर्गत नगीना तहसील के ग्राम हकीकतपुर–गंगवाली निवासी नवाब व शहनाज, थाना स्योहारा के ग्राम सदाफल निवासी फातमा और जनपद मुरादाबाद के अंतर्गत गढ़ी सलेमपुर–कांठ निवासी इमरान को गिरफ्तार किया है। साथ ही कार को भी सीज कर दिया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे थलीसैण क्षेत्र से यह गांजा खरीद कर ला रहे थे।

नाबालिग से दुष्कर्म का प्रयास, युवक गिरफ्तार

कोतवाली पुलिस की हिरासत में आरोपी

जयन्त प्रतिनिध। शहर के एक मोहल्ले में घर में घुसकर नाबालिग से दुष्कर्म का प्रयास करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर उसे जेल भेज दिया गया है।

पुलिस ने बताया कि मामले में पीड़िता के स्वजनों की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई थी। जिसमें उन्होंने बताया था कि उत्तर प्रदेश नजीबाबाद जलालाबाद निवासी नाजिम उनकी पुत्री को काफी समय से परेशान कर रहा था। कुछ दिन पूर्व उसने उनकी बेटी का पीछा भी किया था। बताया कि पांच सितंबर को परिवार के सदस्य किसी काम से बाहर गए हुए थे। घर में केवल उनकी पुत्री ही थी। ऐसे में नाजिम उनके घर में घुसा और पुत्री से छेड़छाड़ करने लगा। युवक ने उनकी बेटी के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। बताया कि बेटी के शोर मचाने पर युवक वहां से फरार हो गया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रमेश तनवार ने बताया कि आरोपित की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की विशेष टीम गठित की गई। रविवार को आरोपी को नजीबाबाद से गिरफ्तार किया गया। साथ ही न्यायालय में पेश करने के बाद उसे जेल भेज दिया गया है।

पूर्व सैनिकों ने उठाई लालढांग- चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः पूर्व सैनिकों ने लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण की मांग उठाई है। कहा कि सरकार को जल्द से जल्द मार्ग निर्माण की कार्रवाई शुरु करनी चाहिए। मार्ग की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पूर्व सैनिक सेवा परिषद के बैनर तले ईसीएचएस प्रांगण में बैठक बैठक का आयोजन किया गया। इस दोरान पूर्व सैनिकों ने सरकार से मार्ग निर्माण की मांग उठाई। कहा कि क्षेत्रीय जनता दशकों से लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण की मांग उठा रही है। लेकिन, अब तक समस्या को लेकर कोई गंभीरता नहीं दिखाई गई है। नतीजा, आज भी लोगों को देहरादून राजधानी जाने के लिए उत्तर प्रदेश की सड़क से होकर जाना पड़ता है। कहा कि यदि लालढांग–चिल्लरखाल मोटर मार्ग का निर्माण होता है तो इससे क्षेत्र का बेहतर विकास होगा। कहीं न कहीं

कोटद्वार में लालढांग- चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण की मांग उठाते पूर्व सैनिक

युवाओं के लिए बेहतर रोजगार के साधन भी विकसित होंगे। इस मौके पर गोपाल कृष्ण बड़थ्वाल, देवेंद्र सिंह नेगी, बलवान सिंह रावत, महेश चंद्र, अजय सिंह, विलोचन प्रसाद नैथानी, खुशी सिंह रावत, रमेश सिंह रवत, संजय असवाल, विक्रम सिंह, अनिल डबराल, अनूप सिंह बिष्ट, ज्ञान पाल सिंह रावत आदि मौजूद रहे।

जयानंद भारतीय के नाम पर हो बस अड्डा

जयन्त प्रतिनिधि

पौड़ीः प्रादेशिक शिल्पकार कल्याण समिति ने शनिवार को जयानंद भारतीय की वर्षगांठ मनाई। बस अड्डे में जयानंद भारतीय की मूर्ति स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में लोगों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान उनके दिखाए गए मार्ग पर चलने पर जोर दिया गया। बस अड्डे में जयानंद भारतीय की मूर्ति स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में बस अडडे का नाम जयानंद भारतीय के नाम से किए जाने का प्रस्ताव पारित किया गया। इस दौरान भाजपा व कांग्रेस के जिलाध्यक्ष ने भी अपने स्तर से इस बाबत का प्रस्ताव शासन को भेजने की बात कही। इस मौके पर मुख्य अतिथि पूर्व पालिकाध्यक्ष यशपाल बेनाम, समिति के प्रदेश अध्यक्ष हरीश चंद्र शाह, सुदंरलाल मुयाल, अमित कुमार, विमला देवी, श्रीकांत, हुकुम सिंह टम्टा, महेशानंद, जेपी टम्टा, सुभाष चंद्र आदि शामिल रहे।

भालू की धमक, दहशत में ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः जिले के पैठाणी में बीते करीब एक महीने से भालू के हमलों ने ग्रामीणों में दहशत बनी है। भालू अब तक 35 से अधिक मवेशियों को मार चुका है। जिसके चलते ग्रामीणों में दहशत और भय का माहौल है। सबसे अधिक प्रभावित गांव कुचौली, कुडील, कठयूड़ और सौंठ शामिल हैं। जबकि रीखौली खण्ड के दो अन्य गांवों में भी भालू ने हमले किए हैं। लगातार हो रही घटनाओं को देखते हुए वन विभाग ने इस क्षेत्र में विशेष ऑपरेशन शुरू कर दिया है। भालू को पकड़ने के लिए वन विभाग ने 17 लोगो की 4 टीमें गठित की गई हैं। इनमें 2 डॉक्टर, 2 ट्रेंकुलाइज स्नाइपर और अनुभवी वन्यजीव विशेषज्ञ भी शामिल हैं। डीएफओ सिविल पौड़ी पवन नेगी की अगुवाई में टीम भालू को पकड़ने में जुट गई है। विभाग की एसडीओ आयशा बिष्ट ने बताया कि भालू की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए 1 ड्रोन कैमरा और 10 ट्रैप कैमरे संभावित स्थलों पर लगाए गए हैं। हालांकि विभाग के सामने सबसे बड़ी चुनौती है कि करीब 600 गोशालाओं की चौकसी करनी पड़ रही है, जिससे काफी दिक्कत हो रही हैं। बीते शनिवार को ही चार अलग-अलग गांवों में टीमों ने जाकर रातभर ग्रामीणों के साथ भालू की गतिविधियों की मॉनिटरिंग की। इस दौरान भालू को पकड़ने के लिए पिंजरे और जाल भी लगाए गए हैं। जिन क्षेत्रों में भालू के सबसे अधिक हमले हुए हैं, वहां गतिविधियों पर नजर रखने के लिए कैमरे इंस्टॉल किए गए हैं। इसके अलावा टीम द्वारा कई स्थानों पर मचान भी बनाए गए हैं ताकि निगरानी और ट्रैकिंग की जा सके। डीएफओ पवन नेगी ने कहा कि ट्रैकिंग और मैपिंग का काम तेजी से किया जा रहा है। उम्मीद है कि जल्द ही ग्रामीणों को इस आतंक से राहत दिलाई जाए। वही क्षेत्रीय विधायक एवं कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत भी अभियान को लेकर जानकारी ले रहे है। डॉ धन सिंह ने कहा है कि ग्रामीणों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और हर स्तर पर आवश्यक सहयोग किया जा रहा है।

चौरास में प्राधिकरण के तहत कार्यवाही पर जनता में रोष

श्रीनगर गढ़वाल। विकासखंड कीर्तिनगर में प्राधिकरण के तहत लोगों के घरों का चालान किए जाने पर स्थानीय लोगों ने कड़ा रोष व्यक्त किया है। रविवार को चौरास में प्राधिकरण के विरोधस्वरूप एक बैठक आहूत की गई। बैठक में जनप्रतिनिधियों के साथ ही स्थानीय लोगों ने बडी संख्या में पहुंचकर प्राधिकरण का जोरदार विरोध किया। स्थानीय लोगों ने कहा कि यदि चौरास की जनता पर प्राधिकरण के तहत कार्यवाही होती है तो इसका विरोध कर आंदोलन किया जायेगा। जिला पंचायत सदस्य मढी चौरास निर्मला देवी भंडारी, पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य डा. प्रताप भंडारी, डा. उत्तम भंडारी, पूर्व ब्लाक प्रमुख विजयंत निजवाला, नरेंद्र भंडारी, विनोद चमोली ने कहा कि चौरास क्षेत्र की जनता पर 35 साल पुराने महायोजना के प्लान को लेकर प्राधिकरण के तहत लोगों के घरों का चालान किया जा रहा है। कहा कि पूर्व की स्थिति और वर्तमान की स्थिति में बड़ा अंतर आ गया है। कहा कि जिन क्षेत्रों में आज बड़ी–बड़ी कॉलोनियां बन चुकी हैं और नए भवन बन चुके हैं,वहां पर 35 साल पहले बनाए गए नक्शे के आधार पर लोगों पर चालानी की जा रही है। कहा कि इस तरह की कार्यवाही किसी भी हद पर बर्दाश्त नहीं की जायेगी। बताया कि अधिकारियों के द्वारा जिन भूमि पर मकान बने हैं, वहां पर कृषि भूमि होने की बात कही जा रही है,जबकि लोगों को मकान का नक्शा पास न कराने पर आवासीय भवनों को तोड़ने की बात तक की गई है। स्थानीय लोगों ने कहा कि यदि प्रशासन द्वारा प्राधिकरण को लेकर परेशान किया गया तो विरोध किया जायेगा और जनता सरकार और शासन प्रशासन के खिलाफ धरना प्रदर्शन के लिए मजबूर होगी।

सतपुली में गुलदार की दहशत, निजात की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः सतपुली नगर क्षेत्र में गुलदार की धमक से आमजन दहशत में है। बीती रात गुलदार ने आदर्श मोहल्ले में कुत्ते को निवाला बना दिया। गुलदार की दहशत से लोगों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है।

कुछ दिन पूर्व गुलदार ने सतपुली मल्ली क्षेत्र में सड़क किनारे टेंट में बैठे नेपाली श्रमिक के तीन वर्षीय बच्चे को निवाला बना दिया था। यही नहीं, घटना के दो दिन बाद ही गुलदार ने दोबारा एक श्रमिक के नौ वर्षीय बेटे पर हमला कर उसे घायल कर दिया। वन महकमे ने गुलदार को ट्रैंक्यूलाइज कर पिंजरे में कैद किया। गुलदार भले ही पिंजरे में कैद हो गया। लेकिन, क्षेत्र में गुलदार की दहशत अब भी बरकरार है। दरअसल, सतपुली नगर सहित आसपास के क्षेत्र में अब भी कई अन्य गुलदार घूम रहे हैं। बीती रात गुलदार ने सतपुली के आदर्श मोहल्ले में कुत्ते को निवाला बना दिया। क्षेत्रीय जन का कहना है कि आबादी में पहुंच रहे गुलदार से बच्चों व बुजुर्गों को खतरा बना हुए हैं। शाम ढलते ही लोगों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। कहा कि गुलदार को कैद करने के लिए वन विभाग को क्षेत्र में पिंजरे लगाने चाहिए।

डा.त्रिलोक चंद्र सोनी व अवनीश नेगी को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः शैलशिल्पी विकास संगठन की ओर से पौड़ी क्रांति दिवस की 93वीं वर्षगांठ मनाई गई। इस दौरान पर्यावरण के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले डा.त्रिलोक चंद्र सोनी व अंकिता भंडारी हत्याकांड की पैरवी करने वाले अधिवक्ता अवनीश नेगी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संगठन ने जयानंद भारतीय की जीवनी को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल किए जाने की भी मांग उठाई। साथ ही द्वारीखाल मुख्यालय में संविधान निर्माता डा. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने की भी मांग रखी गई।

गुमखाल में आयोजित कार्यक्रम में पर्यावरण मित्र डा. त्रिलोक चंद सोनी को सम्मानित करते हुए शैलशिल्पी विकास संगठन के पदाधिकारी

गुमखाल में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ ब्लाक प्रमुख बीना राणा, अधिवक्ता अवनीश नेगी, पर्यावरणविद् डा. त्रिलोक चंद सैनी ने किया। सर्वप्रथम अतिथियों ने कर्मवीर जयानंद भारतीय के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धाजंलि दी। वक्ताओं ने जयानंद भारतीय को स्वंतत्रता संग्राम की अलख जगाने वाला महान क्रांतिकारी बताया। कहा कि जयानंद भारतीय ने कहा कि 6 दिसंबर 1932 को पौड़ी में महान कांति हुई, जिसके नायक जयानंद भारतीय रहे। उन्होंने अंग्रेज गवर्नर सर मैलकम हैली के स्वागत दरबार में हाथ में तिरंगा लहराते हुए गो बैक मैलकम हैली, अमन सभा मुर्दाबाद के नारों के साथ ब्रिटिस तंत्र को चुनौती दी थी। वक्ताओं ने जयानंद भारतीय को सम्मान न दिए जाने पर भी आश्चर्य प्रकट किया। कहा कि उनकी जीवनी को स्कूली पाठ्क्रम में शामिल किया जाए। तत्पश्चात पर्यावरणविद् डा. त्रिलोक चंद सोनी को शैलशिल्पी जयानंद भारतीय सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया, साथ ही वंनतरा प्रकरण में अभियोजन पक्ष की तरफ से पैरवी करने वाले अधिवक्ता अवनीश नेगी भी सम्मानित हुए। कार्यक्रम में नयारघाटी म्यूजिकल ग्रुप ने देशभक्ति पर आधारित शानदार प्रस्तुति दी गई। इस मौके पर जयानंद भारतीय के पुत्रवधू मनूली देवी, नरेंद्र भारतीय, संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष विकास कुमार आर्य, प्रधानाचार्य मनवर लाल भारती, विजेंद्र रिंगोड़ा, धर्म प्रकाश, राजेंद्र सिंह नेगी, ओमप्रकाश कोटला, भारत भूषण शाह, डा. सतीश प्रकाश, केशीराम निराला, शिवकुमार, बिरजा, शीतल, महिपाल, प्रशांत चौधरी मौजूद रहे।

हाथी का उत्पात, काश्तकारों की रौंदी मेहनत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः वन विभाग के लाख दावों के बाद भी आबादी क्षेत्र में हाथी की धमक थमने का नाम नहीं ले रही। हालत यह है कि भाबर क्षेत्र के अंतर्गत जयदेवपुर, मनदेवपुर, दलीपपुर व गंदरियाखाल में हाथियों ने आबादी में पहुंचकर काश्तकारों की फसल को बर्बाद कर दिया। काश्तकारों ने वन विभाग से हाथी के आतंक से निजात दिलवाने की मांग की है।

भाबर क्षेत्र के अंतर्गत जयदेवपुर, मनदेवपुर, दलीपपुर व गंदरियाखाल का अधिकांश भाग जंगल से सटा हुआ है। यही कारण है कि आबादी में आए दिन हाथियों की धमक बनी रहती है। पिछले कुछ दिनों से लगातार हाथी इन क्षेत्रों में पहुंच काश्तकारों के खेतों में खड़ी खड़ी

कोटद्वार नगर निगम के अंतर्गत जयदेवपुर क्षेत्र में खेतों में पहुंचा हाथी

सोयाबीन, उड़द, धान सहित अन्य फसल को चट कर दिया। काश्तकार जगदंबा जखमोला, आशीष काला, आनंदमणी कुकरेती, दीपक जोशी ने बताया कि शुक्रवार दोपहर हाथी उनके क्षेत्र में धमक गया था। बताया कि किसी तरह हाथी को खेत से बाहर खदेड़ा तो शाम छह बजे फिर हाथी खेतों में घुस गया। बताया कि पूरी रात क्षेत्रीय जन हाथी को खदेड़ने के प्रयास में जुटा रहा। लेकिन, हाथी टस से मस नहीं हुआ। बताया कि आए दिन हाथी आबादी में पहुंचकर उनकी फसल को बर्बाद कर रहे हैं। जिससे काश्तकारों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। जंगल के आसपास हाथी सुरक्षा दीवार बनवाने के लिए काश्तकार कई बार शासन–प्रशासन को पत्र भेज चुके हैं। लेकिन, अब तक समस्या को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई गई। कहा कि काश्तकारों के हित को देखते हुए जल्द से जल्द हाथी सुरक्षा दीवार का निर्माण करवाया जाना चाहिए।

दो बीमार लोगों को हेलीकॉप्टर से जौलीग्रांट भेजा

चमोली। आपदा से जूझ रहे थराली विकासखंड के दूरस्थ गांवों में प्रशासन राहत और सहायता कार्य लगातार जारी रखे हुए है।

रविवार को तहसील प्रशासन ने रतगांव और डूंगरी से दो गंभीर रूप से बीमार मरीजों को हेलीकॉप्टर की मदद से जौलीग्रांट अस्पताल पहुंचाया, जहां उन्हें समय पर उपचार उपलब्ध कराया गया। एसडीएम थराली पंकज भट्ट ने बताया कि मरीजों को सुरक्षित और शीघ्र स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीम लगातार सक्रिय है। उन्होंने जानकारी दी कि तहसील प्रशासन की ओर से रतगांव में प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री के रूप में राशन किट भी वितरित की गई।

गोपेश्वर में सरकार पर गरजीं महिलाएं

– सरकार पर लगाया महिला विरोधी नीतियां अपनाने का आरोप

चमोली। अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति के जिला सम्मेलन में महिलाओं ने सरकार पर महिला विरोधी नीतियां अपनाने का आरोप लगाया। सम्मेलन में 19 सदस्यीय नई कमेटी गठित की गई, जिसमें गीता बिष्ट को अध्यक्ष, सीमा असवाल को सचिव, तथा ममता गौड़ को कोषाध्यक्ष चुना गया। रविवार को गौरा देवी नगर स्थित नगर पालिका परिषद सभागार में आयोजित सम्मेलन का उद्घाटन प्रदेश महामंत्री दमयंती नेगी ने किया।

सम्मेलन की शुरुआत दो सदस्यीय अध्यक्ष मंडल पुष्पा किमोठी और मीणा बिष्ट के मंचासीन होने के साथ हुई। इस दौरान पुष्पा किमोठी ने संगठन का झंडा रोहण किया। उद्घाटन भाषण में नेगी ने सरकार की जनविरोधी नीतियों की आलोचना की और महिलाओं को संगठित होकर संघर्ष के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। जिला मंत्री गीता बिष्ट ने तीन वर्षों की सांगठनिक रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिस पर 20 प्रतिनिधियों ने सुझाव और बहस में हिस्सा लिया। सम्मेलन में जंगली जानवरों से फसल सुरक्षा, नशाखोरी, बेरोजगारी, भूमिहीनों को पट्टा आवंटन और बेदखली पर रोक जैसे प्रस्ताव पारित किए गए। सम्मेलन को सीटू अध्यक्ष मदन मिश्रा, जनवादी नौजवान सभा अध्यक्ष कमलेश गौड़ और किसान सभा उपाध्यक्ष भूपाल सिंह रावत ने सफल आयोजन बताया।

उक्रांद के पौड़ी जिलाध्यक्ष बने अर्जुन

श्रीनगर गढ़वाल। उत्तराखंड क्रांति दल ने पौड़ी जिले की कमान अर्जुन नेगी के हाथों सौंपी है, इससे पहले अर्जुन पौड़ी जिले के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष की भूमिका में जनता की आवाज बनकर कई आंदोलनों में सक्रिय रहे हैं। रविवार को श्रीनगर स्थित अदिति स्मृति न्यास में आयोजित उक्रांद के पौड़ी जिले का सम्मेलन शांतिपूर्ण सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में पौड़ी जनपद के ब्लॉक स्तर के कार्यकर्ताओं ने आगामी चुनावों और सदस्यता अभियान में तेजी लाने सहित आमजन तक दल की धारणा को लेकर बारीकी से विचार विमर्श किया।

इस दौरान केंद्रीय कार्यकारिणी ने अर्जुन नेगी को नवनियुक्त जिलाध्यक्ष पौड़ी, देवेश डोभाल को कार्यकारी अध्यक्ष,जिला संघठन मंत्री बलवंत गुसांईं, जिला महामंत्री लोकेश बहुगुणा,जिला प्रवक्ता अंकित रावत,श्रीनगर महानगर अध्यक्ष नितिन नेगी, महिला जिलाध्यक्ष बबली चौहान को सर्वसम्मति से चुना।नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अर्जुन नेगी ने ब्लॉक स्तर पर कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए गौरव चंदोला को पौड़ी ब्लॉक अध्यक्ष, कलजीखाल ब्लॉक अध्यक्ष रविंद्र सिंह,कोट ब्लॉक अध्यक्ष प्रकाश बेलवाल,खिर्सू ब्लॉक अध्यक्ष भगवान गुसांईं,पाबौ ब्लॉक अध्यक्ष चंद्रमोहन रतूड़ी, पोखड़ा ब्लॉक अध्यक्ष जयप्रकाश नवानी, बींरोखाल ब्लॉक अध्यक्ष पंकज बंदूणी,द्वारिखाल ब्लॉक अध्यक्ष पृथ्वीपाल सिंह रावत को जिम्मेदारी सौंपी। इस दौरान पौड़ी जिलाध्यक्ष अर्जुन नेगी ने कहा कि उक्रांद विधानसभा चुनाव 2027 के लिए नई नीति के साथ आगे बढ़ रही है।

निरीक्षण में 10 खाद्य पदार्थों के नमूने लिए

नई टिहरी। शनिवार को खाद्य संरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग ने जनपद टिहरी के चंबा व जड़ीपानी क्षेत्र के खाद्य प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण कर खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने पर 5 खाद्य कारोबारियों को नोटिस थमाते हुए संदेह के आधार पर 10 खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच के राजकीय लेबोरेटरी को भेजे। निरीक्षण अभियान की जानकारी देते हुए वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी शारदा शर्मा ने बताया कि डीएम निकिता खंडेलवाल के निर्देशन में लगातार खाद्य कारोबारियों का निरीक्षण कर चेताया जा रहा है कि आम लोगों को शुद्ध व ताजा खाद्य सामग्री देने का काम करें। शिकायत आने पर कड़ी कार्यवाही की जायेगी। शनिवार को किये गये निरीक्षण में खाद्य मानकों का उल्लंघन करने पर 5 कारोबारियों को नोटिस थमाये गये। चेतावनी देते हुए कहा गया कि नोटिस का संतोषजनक जबाब न देने पर अग्रिम कानूनी कार्यवाही की जायेगी।

विद्यार्थियों के सम्मानित होने पर विद्यालय ने जताई खुशी

मूल रूप से कोटद्वार के छात्र नैमिषश्लोक मन पांडे व कृधानिका को सीएम योगी ने किया था सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः कृधानिका श्रीमोहन पांडे व नैमिषश्लोक मन पांडे को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सम्मानित करने पर सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल गोमती नगर लखनऊ ने खुशी व्यक्त की है। कहा कि वर्तमान में विद्यालय के कई विद्यार्थी देश विदेश में सर्वोच्च पद पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। विद्यार्थियों का सम्मान विद्यालय के लिए गौरव है।

विद्यार्थियों को सम्मानित करने पर खुशी व्यक्त करते शिक्षक

मूल रूप से कोटद्वार के कुंभीचौड़ के रहने वाले छात्र कृधानिका श्री मोहन पांडे व नैमिषश्लोक को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चित्रकला व सनातन संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए सम्मानित किया था। विद्यार्थियों की इस सफलता पर सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल गोमती नगर लखनऊ की प्रधानाचार्य प्रोमिनी चौपड़ा ने खुशी व्यक्त की है। कहा कि कृधानिका श्री मोहन पांडे उनके विद्यालय में कक्षा पांच की छात्रा है। जबकि, नैमिषश्लोक मन पांडे कक्षा चार में पढ़ते हैं। कहा कि बच्चों को सम्मानित करने के साथ ही मुख्यमंत्री ने विद्यालय की भी प्रशंसा की है। इस मौके पर दिनेश सिंह बिष्ट, कनिका चौपड़ा, मिताली श्रीवास्तव, नेहा सिंह, गौतम, विनय पांडे आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

साधन सचिवों को भी दिया जाए पेंशन का लाभ

देहरादून। सेवानिवृत्त कैडर सचिव कल्याण परिषद ने सीएम पुष्कर सिंह धामी को पत्र भेज कर पेंशन सुविधा देने की मांग की। परिषद ने राज्य कर्मियों की तरह पेंशन लाभ सुनिश्चित किए जाने पर जोर दिया। परिषद अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह रावत ने कहा कि रिटायर कैडर सचिवों को पेंशन का लाभ नहीं दिया जा रहा है। न ही उनके बकाया अवशेषों का भुगतान किया जा रहा है। भुगतान रोकने का कारण कैडर फंड में सिर्फ सेवारत सचिवों के लिए ही बजट की व्यवस्था होने का हवाला दिया जा रहा है। पेंशनर्स की कोई सुध नहीं ली जा रही है। कहा कि इन तमाम मांगों के समाधान को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में शासन स्तर पर समिति का गठन किया जाए। इस समिति में रजिस्ट्रार कॉपरेटिव और रिटायर साधन सचिवों के प्रतिनिधि को भी शामिल किया जाए। सचिवों के पेंशन प्रकरण समेत अवशेष सभी बकाया के भुगतान को शासन स्तर पर बजट में प्रावधान किया जाए। राज्य कर्मियों की तरह पेंशन लाभ सुनिश्चित किया जाए।

छात्रों को ज्योतिष के वैज्ञानिक स्वरूप की जानकारी दी

श्रीनगर गढ़वाल। गढ़वाल विवि के भूगोल एवं संस्कृत विभाग द्वारा ज्योतिष विधा में भूगोल एवं भौगोलिक परिवेश पर रविवार को विद्वत संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में बतौर मुख्य वक्ता हिमालय ज्योतिष संरक्षण एवं विकास परिषद क़े अध्यक्ष आचार्य भाष्करानन्द अणथ्वाल ने शोध छात्रों को ब्रह्माण्ड क़े उत्पति, सौर मण्डल, प्रकाश ग्रहों, ग्रह कक्षा, भचक्र अक्षान्स देशांतर का कुंडली निर्माण में उपयोग, धूमकेतु, सूर्य क़े आस पास क़े ग्रह आर्यभट्ट प्रथम क़े बारे में अवगत कराया। प्रो. रामानन्द गैरोला ने ज्योतिष क़े वैज्ञानिक स्वरुप क़े बारे में बताया। शिक्षक एवं कथा व्यास डा. प्रकाश चमोली ने व्हाट्सएप पर मिलने वाले ज्योतिष ज्ञान से बचने का सुझाव दिया और ज्योतिष को राजपोषित विद्या के बारे में बताया। मौके पर परिषद क़े ज्योतिषाचार्य, रोटरी क्लब क़े अध्यक्ष व घंटाकर्ण देवता क़े रावल आचार्य दिनेश प्रसाद जोशी, आचार्य द्वारिका प्रसाद कपरवान, प्रो. आरएस नेगी, प्रो. मोहन सिंह पंवार, हैप्रेक निदेशक डा. विजयकांत पुरोहित, लोक कला एवं संस्कृति निष्पादन केंद्र के निदेशक गणेश कुखशाल आदि मौजूद थे।

गढ़वाल विवि में हिमालय दिवस पर होंगे विविध कार्यक्रम

श्रीनगर गढ़वाल। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि के भूगोल विभाग द्वारा हिमालय दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। हिमालय स्थिरता नवीकरणीय ऊर्जा विषय पर कार्यशाला आयोजित की जायेगी। कार्यशाला हिमालय क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन हिमनद पिघलने, वनों की कटाई, जैव विविधता हानि, प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन, प्राकृतिक आपदाएं, विभिन्न पर्यावरणीय चुनौतियां पर केंद्रित होगी। कार्यशाला सौर ऊर्जा को हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण और सतत विकास के लिए एक महत्वपूर्ण समाधान को प्रस्तुत करेगी। कार्यक्रम के संयोजक भूगोल विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर डा. महावीर सिंह नेगी ने कहा कि 9 सितंबर को हिमालय दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यशाला में गढ़वाल विवि के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। चौरास परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण के साथ क्विज एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा।

गढ़वाल विवि में रिक्त सीटों पर मेरिट बेस के तहत होगा प्रवेश

श्रीनगर गढ़वाल। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में पड़ी रिक्त सीटों पर मेरिट बेस के तहत प्रवेश दिए जायेंगे।

गढ़वाल विवि ने समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी है। गढ़वाल विवि के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. ओपीएस गुसांई ने बताया कि गढ़वाल विवि के शैक्षणिक सत्र 2025–26 में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में रिक्त सीटों पर मेरिट बेस के तहत प्रवेश दिए जायेंगे। उन्होंने बताया कि बीए एलएलबी, एलएलबी, एलएलएम, बीएड, एमएड, बीपीएड तथा एमपीएड को छोड़कर स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की रिक्त पड़ी सीटों पर प्रवेश दिए जायेंगे। प्रो. गुसांई ने बताया कि इच्छुक छात्र–छात्राएं 11 सितंबर तक गढ़वाल विवि के परिसरों में प्रवेश लेने के लिए सम्बंद्ध महाविद्यालयों एवं संस्थानों में प्रवेश के लिंक पर अपना पंजीकरण कर सकते हैं। बताया कि एससी, एसटी और विकलांग व्यक्ति की श्रेणी के लिए 400 और 200 रुपये पंजीकरण शुल्क रखा गया है।

भीरी—परकंडी—मक्कूठ मोटर मार्ग बंद होने से ग्रामीण परेशान

रुद्रप्रयाग। बीते कई दिनों से भीरी परकंडी–मक्कूमठ राज्य मार्ग अवरुद्ध चल रहा है, जिससे क्षेत्रीय लोगों को मुश्किलों का समाना करना पड़ रहा है। भले ही लोक निर्माण विभाग ऊखीमठ द्वारा मार्ग पर कुछ कार्य किया गया किंतु मार्ग अभी तक नहीं खुल पाया है। मार्ग बंद होने से बीमार, गर्भवती महिलाएं एवं बुर्जुग लोगों को परेशानियां उठानी पड़ रही है। भीरी–परकंडी–मक्कूमठ मोटर मार्ग पर प्रतिदिन करीब 100 वाहनों का संचालन होता रहा है जिससे क्षेत्र की बड़ी संख्या में आवादी वाहनों से आवाजाही करती रही है किंतु बरसात के चलते मार्ग कई जगहों पर बंद है। जबकि मार्ग को खोलने के सकारात्मक प्रयास नहीं हो रहे हैं। विभाग की लापरवाही के चलते बीमार अस्पताल नहीं पहुंच पा रहे हैं जबकि स्कूल के बच्चे पढ़ाई से वंचित हो रहे हैं। परकंडी, ककोला, पैलिंग, नहरा, कुडलिया आदि गांवों से करीब 25 बच्चे प्रतिदिन राइंका भीरी आते हैं किंतु उनके सामने भी स्कूल पहुंचने में दिक्कतें हो रही है। लम्बी दूरी होने के कारण पैदल आवाजाही संभव नहीं है। पूर्व में क्षेत्र के समस्त लोगों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा इसी मार्ग को पैदल आवागमन के लिए गैथी फाफड़ा से पैदल जाने आने के लिए खुलवाया गया। बावजूद लोनिवि द्वारा मार्ग को खोलने के प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने मार्ग न खुलने पर कड़ा आक्रोश व्यक्त किया है। कहा कि इस मोटर मार्ग बंद होने से परकंडी क्षेत्र के साथ ही पूरी तुंगनाथ घाटी को परेशानी उठानी पड़ रही है। तुंगनाथ घाटी का एक मात्र ऐसा मार्ग है जिस पर करीब 10 हजार लोगों का व्यवसाय चलता है। जिला पंचायत सदस्य वार्ड प्रीति पुष्पावाण, क्षेत्र पंचायत भींगी मीनाक्षी देवी, ग्राम पंचायत प्रधान परकंडी सुनीता बिष्ट, ग्राम पंचायत प्रधान उथिंड जयकृत कुंवर, पेलिंग प्रधान सुनाज नेगी, भींगी प्रधान नीमा देवी, क्षेत्र पंचायत सदस्य परकंडी गजेंद्र चौधरी, शुरेशा नंद तगवान, प्रधान सुनीता मैठाणी, ओरिंग प्रधान नारायण सिंह नेगी, जलई सुरसाल प्रधान हीना देवी सहित समस्त ग्रामीणों ने कहा कि यदि शीघ्र मार्ग नहीं खोला गया तो उन्हें मजबूरन आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

रोटरी क्लब ने किया शिक्षकों का सम्मान

देहरादून। रोटरी क्लब दून शिवालिक हिल्स ने शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में शहर के विभिन्न स्कूलों, कालेजों के प्रधानाचार्य, अध्यापकों को सम्मानित किया। नेशन बिल्डर अवार्ड के तहत रविवार को बल्लीवाला चौक स्थित एक होटल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। क्लब अध्यक्ष सुनील शर्मा ने अतिथियों का स्वागत कर कार्यक्रम की शुरुआत की। रोटेरियन तपन कौशिक ने अतिथियों को रोटरी क्लब के कार्यों की जानकारी दी। दून ग्लोबल स्कूल, स्किल्ड के चेयरमैन रोटेरियन अंकित अग्रवाल ने अतिथियों का आभार जताया। इस दौरान राजेश चंद्र शर्मा, डा. मितुल यादव, डा. कविता टंडन, अलोक श्रीवास्तव, डा. रमा आनंद, डा. सुरेंद्र सिंह नेगी, उपासना अग्रवाल, संजय कुमार घोष, नीतू रत्ना, ऋतु सिंह, राजेश ममगैन, प्रो. प्रशांत सिंह, अजय चावला, वृजेश चौहान, रेनू जूयाल, मोनिका पांडे, शीतल, सुनील दत्त भट्ट, डॉ. आरती खंडूड़ी, डा. जगतरी नावानी, नमिता ममगैन को सम्मानित किया गया।

प्रमोशन और मानदेय बढ़ोतरी को होगा आंदोलन

देहरादून। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सेविका मिनी, कर्मचारी संगठन की बैठक में 18 वर्ष की सेवा कर चुकी कार्यकर्ताओं योग्यतानुसार प्रमोशन दिए जाने की मांग की गई।

इसके साथ ही रिटायरमेंट पर 10 लाख रुपये देने और मानदेय बढ़ोतरी की मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन की रणनीति तय की गई। परेड ग्राउंड स्थित एक रेस्टोरेंट में रविवार को अध्यक्ष रेखा नेगी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में मानदेय बढ़ोत्तरी सहित विभिन्न मांगों पर चर्चा की गई। अध्यक्ष रेखा ने कहा कि जिनका 18 वर्ष का कार्यकाल पूरा हो चुका है और जो बीए पास हैं, उन्हें सुपरवाइजर पद पर प्रमोशन दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों से किसी भी सीनियर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का प्रमोशन नहीं हुआ है। वरिष्ठता के आधार पर शीघ्र प्रमोशन किए जाने चाहिए, ताकि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को उनके अधिकार मिल सकें। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग में सुपरवाइजर के पद खाली पड़े हैं। एक सुपरवाइजर को 90 केंद्रों का कार्यभार दिया गया है, जबकि सामान्यतः एक सुपरवाइजर को 20–25 केंद्रों का कार्य करना चाहिए। संगठन ने विभाग से मांग की है कि प्रमोशन प्रतिवर्ष किए जाएं।

इसके साथ ही मानदेय बढ़ोतरी को लेकर कई बार ज्ञापन दिए जा चुके हैं, लेकिन सरकार और विभाग की ओर से कोई संज्ञान नहीं लिया जा रहा। संगठन ने स्पष्ट किया कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो मजबूरन सड़कों पर उतरकर आंदोलन करना पड़ेगा। साथ ही रिटायरमेंट पर 10 लाख रुपये देने और मानदेय बढ़ोतरी की मांग को लेकर जिलास्तरीय रैली और धरने की तारीख जल्द तय की जाएगी।

शिक्षक अवार्ड से डॉ. डिमरी, डॉ. रावत और डॉ. द्विवेदी सम्मानित

श्रीनगर गढ़वाल। शिक्षक दिवस पखवाड़े पर मेडिकल कॉलेज में सालभर की उत्कृष्ट शैक्षणिक और चिकित्सा सेवाओं के लिए डर्मेटोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. दीपक डिमरी, माइक्रोबायोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. विनिता रावत तथा एनाटॉमी विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. अनिल द्विवेदी को प्राचार्य डॉ. आशुतोष सयाना ने स्वामी विवेकानंद सम्मान से सम्मानित किया।मेडिकल कॉलेज प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में एमबीबीएस छात्र–छात्राओं ने कविताओं, भाषण और नाट्य–प्रस्तुतियों से शिक्षकों का मन मोहा। प्राचार्य डॉ. आशुतोष सयाना ने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान ही नहीं देते बल्कि वे छात्रों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं। उनका प्रभाव जीवनभर छात्रों के व्यक्तित्व और सोच पर दिखाई देता है। मेडिकल शिक्षा केवल कक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सीधे मरीजों के जीवन से जुड़ी है। हमारा प्रयास है कि सामूहिक लगन और समर्पण से मेडिकल कॉलेज को शिक्षा और शोध का उत्कृष्ट केंद्र बनाया जाए। साथ ही मरीजों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना ही हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है।डॉ. सयाना ने कहा कि मेडिकल कॉलेज में फैकल्टी और छात्रों के बीच बेहतर समन्वय से शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ेगी और मरीजों को उपचार में भी लाभ मिलेगा। प्रोफेशनल कोर्स में उत्कृष्ट कार्य करने वाले तीन संकाय सदस्य हर साल सम्मानित किए जाएंगे। मौके पर एमएस डॉ. राकेश रावत, डॉ. दीपा हटवाल, डॉ. अशोक शर्मा, डॉ. धनंजय डोभाल, डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. अनिल तथा डॉ. जितेंद्र आदि मौजूद रहे।

निगम में हो रहे विकास कार्यों पर पार्षदों ने जताया असंतोष

श्रीनगर गढ़वाल। नगर निगम श्रीनगर के 30 से अधिक पार्षदों ने महापौर के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पार्षदों ने निगम द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों पर असंतोष व्यक्त किया है। पार्षदों का कहना है कि वार्डों में मूलभूत सुविधाओं की कमी के कारण उन्हें स्थानीय निवासियों के सामने अपमानित होना पड़ रहा है। पार्षदों ने निगम महापौर को पत्र सौंपकर 10 दिनों के भीतर बोर्ड बैठक आयोजित करने की मांग की है। पार्षदों का आरोप है कि बिना बोर्ड की सहमति के विकास कार्य कराए जा रहे हैं और कार्यों की गति भी धीमी है। पार्षद झाबर सिंह रावत ने कहा कि बोर्ड की अनुमति के बिना कार्य होना आश्चर्यजनक है, इसलिए पारदर्शिता और कार्यों की स्थिति स्पष्ट करने के लिए बोर्ड बैठक आवश्यक है।

भालू के हमले में गंभीर घायल महिलाओं को मिलेगा मुआवजा

रुद्रप्रयाग। जखोली ब्लॉक के भुनाल गांव में भालू के हमले में गंभीर घायल महिलाओं का श्रीनगर मेडिकल कॉलेज में उपचार चल रहा है। बीती सांय को ही उन्हें जिला चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर भेजा गया। ताकि जल्द से जल्द उन्हें बेहतर उपचार दिया जा सके। वहीं दूसरी ओर वन विभाग की 4 सदस्यीय टीम ने क्षेत्र में कैमरा ट्रैप लगाने के साथ ही लोगों को जागरूक करने का काम शुरू कर दिया है। रविवार को बांगर क्षेत्र के भुनाल सहित आसपास के गांवों में लोगों में डर का माहौल है। महिलाएं घास लेने के जंगल भी झुंड में गई। शोर शराबा किया गया। वन विभाग की चार सदस्यीय टीम भी क्षेत्र में गश्त कर लोगों को जागरूक कर रही है। ग्रामीणों को भालू के साथ ही अन्य हमलावर जानवरों से बचने के लिए झुंड में जाने के साथ ही हाथ में लाठी और शोर शराबा कर आवाजाही करने के प्रति जागरूक कर रही है। उत्तरी जखोली के वन क्षेत्राधिकारी सुरेंद्र नेगी ने बताया कि चिकित्सकों की रिपोर्ट के आधार पर दोनों महिलाओं को विभाग की ओर से उचित मुआवजा दिया जाएगा। बताया कि यह भालू का पीक सीजन है इसलिए लोगों का सर्तक रहने की जरूरत है। इस क्षेत्र में वर्ष की यह पहली घटना है। इससे पहले धारकुडी में बीते वर्ष भालू ने हमला किया था। वन विभाग द्वारा भालू, गुलदार और सूअर के हमले की घटनाओं में पीड़ित व्यक्ति को साधारण घायल की स्थिति में 15 हजार, गंभीर घायल में 1 लाख, आंशिक अपंग में 2 लाख, पूर्ण अपंग में 3 लाख और मृत होने की स्थिति में 6 लाख का मुआवजा देने का प्राविधान है। ग्राम प्रधान भुनाल गांव सीमा देवी बैरवाण और जखोली के ज्येष्ठ प्रमुख नवीन सेमवाल ने शीघ्र पीड़ित महिलाओं को मुआवजा देने की मांग की है। साथ ही क्षेत्र में वन विभाग को नियमित गश्त करने की मांग की। बताते चलें कि बीते दिन भुनाल गांव की बुरांसी देवी पत्नी स्व मदन सिंह एवं शशि देवी पत्नी कुंवर सिंह गांव को गांव के पास ही खेतों में काम करते हुए भालू ने बुरी तरह जख्मी कर दिया। भालू ने दोनों महिलाओं के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों पर गहरे घाव किए हैं जिससे भारी मात्रा में रक्तस्राव हुआ। स्थानीय लोगों की सूचना शीघ्र बक्सीर मेडिकल टीम के प्राथमिक उपचार के बाद हेलीकॉप्टर द्वारा दोनों महिलाओं को अगस्त्यमुनि लाया गया जहां से एम्बुलेंस से रुद्रप्रयाग जिला चिकित्सालय पहुंचे जहां से दोनों को श्रीनगर मेडिकल कॉलेज रैफर किया गया है जहां उनका उपचार चल रहा है। छेनागाड़ आपदा प्रभावित क्षेत्र में मयाली–छेनागाड़–गुप्तकाशी मोटर मार्ग के बंद होने की स्थिति में लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। बीमार, गर्भवती महिलाओं के साथ ही जंगली जानवरों और अन्य घटनाओं में पीड़ित लोगों को सड़क बंद होने से भारी परेशानियां उठानी पड़ रही है।

भूस्खलन पर विधायक मनोज तिवारी का सरकार और प्रशासन पर हमला

अल्मोड़ा। क्वारब में लगातार हो रहे भूस्खलन और सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर विधायक मनोज तिवारी ने सरकार और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। रविवार को नगर के एक होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि क्वारब मार्ग तीन जिलों के लिए जीवन रेखा है, लेकिन बार–बार सड़क बंद होने से व्यापार और पर्यटन पर गहरा असर पड़ा है। इस साल गर्मियों में पर्यटन कारोबार सामान्य से सिर्फ 20 प्रतिशत ही रह गया। विधायक तिवारी ने कहा कि करोड़ों रुपये की लागत से क्वारब डेंजर जोन में बनाई जा रही रिटेनिंग वॉल की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। मीडिया और समाचार पत्रों में छपी तस्वीरें और रिपोर्ट इस बात की पुष्टि करती हैं कि निर्माण कार्य में लापरवाही हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि काम शुरू हुए अभी एक साल भी पूरा नहीं हुआ है, लेकिन दीवारों में दरारें आने लगी हैं। यह साफ दर्शाता है कि भू–वैज्ञानिक सर्वेक्षण और गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने मांग की कि संबंधित अधिकारियों और ठेकेदार पर सख्त कार्रवाई की जाए और ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट किया जाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार, 8 सितंबर को जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडे से मुलाकात कर इस संबंध में जांच की मांग वाला ज्ञापन सौंपेगा।

विधायक तिवारी ने चेतावनी दी कि यदि मामले में हीलाहवाली की गई तो कांग्रेसजन, व्यापारी वर्ग और आमजन के साथ मिलकर धरना–प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता के पैसों की बर्बादी किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं की जाएगी। प्रेस वार्ता में कांग्रेस जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज, नगर अध्यक्ष तारा चंद्र जोशी, पूर्व नगर अध्यक्ष पूरन रौतेला, व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सुशील साह, जिला महामंत्री भैरव गोस्वामी सहित अन्य कार्यकर्ता और व्यापारी मौजूद रहे।

घनेली गांव में रेड क्रॉस समिति ने पहुंचाई राहत

अल्मोड़ा। हवालबाग ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम सभा घनेली इन दिनों लगातार बारिश और भूस्खलन की वजह से संकट में है। विशेषकर मल्ला घनेली क्षेत्र के अधिकांश घर जर्जर हो चुके हैं और किसी भी समय गिरने की आशंका बनी हुई है। ग्रामीण अपने परिवारों के साथ असुरक्षा और भय के बीच दिन–रात काटने को मजबूर हैं। इसी बीच शनिवार को रेड क्रॉस समिति की टीम ने घनेली पहुंचकर आपदा प्रभावित परिवारों की स्थिति का जायजा लिया। टीम ने प्रभावितों को तिरपाल वितरित किए और उनकी समस्याओं को सुना। समिति के सदस्यों ने कहा कि गांव के घरों की दीवारों और छतों में गहरी दरारें पड़ चुकी हैं, जिससे बड़ा हादसा होने का खतरा है। समिति ने जिला प्रशासन से मांग की है कि तुरंत विशेषज्ञ टीम भेजकर स्थिति का आकलन किया जाए और प्रभावित परिवारों को आवश्यक मदद उपलब्ध कराई जाए।

सत्यापन अभियान में अल्मोड़ा पुलिस की कड़ी कार्रवाई

अल्मोड़ा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अल्मोड़ा देवेन्द्र पींचा के सख्त निर्देश पर जिले में रविवार सुबह पुलिस ने संदिग्ध लोगों की तलाश और सत्यापन अभियान चलाया। इस दौरान बिना पुलिस सत्यापन के रह रहे लोगों की जांच की गई और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की गई। अभियान का नेतृत्व अपर पुलिस अधीक्षक हरबन्स सिंह, क्षेत्राधिकारी अल्मोड़ा गोपाल दत्त जोशी और क्षेत्राधिकारी रानीखेत विमल प्रसाद के पर्यवेक्षण में किया गया। पुलिस टीमों ने अलग–अलग क्षेत्रों में करीब 250 लोगों का सत्यापन किया। कोतवाली सोमेश्वर क्षेत्र में प्रभारी निरीक्षक मदन मोहन जोशी के नेतृत्व में की गई कार्रवाई में दो मकान मालिकों को बिना सत्यापन किरायेदार रखने पर 10–10 हजार रुपये का चालान किया गया। साथ ही बिना सत्यापन मजदूरी और फेरी का काम करने वाले दो बाहरी लोगों पर पुलिस अधिनियम की धारा 81 के तहत कार्रवाई की गई। कोतवाली चौखुटिया क्षेत्र में प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार की टीम ने चार बाहरी लोगों को बिना सत्यापन काम करते पाए जाने पर कार्रवाई की। इसी प्रकार कोतवाली द्वाराहाट क्षेत्र में प्रभारी निरीक्षक विनोद जोशी की टीम ने दो बाहरी व्यक्तियों पर और थाना सल्ट में थानाध्यक्ष कश्मीर सिंह की टीम ने छह बाहरी व्यक्तियों पर पुलिस अधिनियम के तहत कार्रवाई की। भतरौजखान और लमगड़ा थाना क्षेत्रों में भी पुलिस टीमों ने सघन सत्यापन अभियान चलाया। पुलिस ने मकान मालिकों और ठेकेदारों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी बाहरी व्यक्ति को केवल पुलिस सत्यापन के बाद ही किराए पर रखा जाए।

जमीन दिलाने के नाम पर तीन लाख की धोखाधड़ी

हरिद्वार। हरियाणा से हरिद्वार में मकान बनाने के लिए आए युवक से जमीन दिलाने के नाम पर करीब तीन लाख रुपये की ठगी कर ली गई। पीड़ित की तहरीर पर ज्वालापुर कोतवाली पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस को दी तहरीर में अर्जुन आहूजा निवासी सनोली रोड, पानीपत (हरियाणा) ने बताया कि वह हरिद्वार में मकान बनाने के लिए प्लॉट की तलाश कर रहा था।

इसी दौरान उसकी मुलाकात ज्वालापुर–रुड़की रोड स्थित रामानंद कॉलेज के सामने स्थित पीआरसी प्रॉपर्टी डीलर कार्यालय में रीता धवन नाम की महिला से हुई। रीता ने खुद को ऑफिस की प्रभारी बताया और कहा कि उसका बेटा रोहित धवन व सहयोगी विकास चौहान फील्ड का काम देखते हैं।

इसके बाद अर्जुन की मुलाकात रोहित से कराई गई। रोहित ने उसे अजय भट्ट नाम के व्यक्ति से मिलवाया और एक प्लॉट का सौदा तय कराने की बात कही। रोहित की गाड़ी में बैठाकर अर्जुन को प्लॉट दिखाया गया, जहां अजय भट्ट और विकास चौहान भी मौजूद थे। इसके बाद कार्यालय लौटकर प्लॉट का सौदा 14 लाख 70 हजार रुपये में तय किया गया। सौदे के तहत अर्जुन ने दो लाख रुपये अजय भट्ट के खाते में और 1.01 लाख रुपये नकद रीता, रोहित व विकास को दिए। रजिस्ट्री के लिए 20 अगस्त 2024 की तारीख तय की गई, लेकिन उस दिन कोई भी तहसील नहीं पहुंचा। बाद में रीता ने निजी कारण बताते हुए 1 अक्टूबर की तारीख दी, लेकिन उस दिन भी रजिस्ट्री नहीं हुई। छानबीन करने पर अर्जुन को पता चला कि वही जमीन पहले से ही रीता धवन के नाम रजिस्टर्ड है। रुपये वापस मांगने पर आरोपियों ने गाली–गलौज कर जान से मारने की धमकी दी।

कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर रीता धवन, रोहित धवन, विकास चौहान और अजय भट्ट के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

भाजपा की नीतियों और योजनाओं को जनता तक पहुंचाएं : यतीश्वरानंद

हरिद्वार। भाजपा के जिला कार्यकारिणी के नवनियुक्त पदाधिकारियों का पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने मालाएं पहनाकर स्वागत किया। उन्होंने पदाधिकारियों से कहा कि पार्टी की नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार–प्रसार करते हुए आमजन को पार्टी से जोड़ने का काम करना है, ताकि आगामी विधानसभा चुनाव जीतकर तीसरी बार भाजपा की सरकार बन सके। पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने कहा कि भाजपा ने हमेशा ईमानदार, कर्मठ और जुझारू नेताओं को आगे बढ़ाने का काम किया है। दर्जाधारी डॉ. जयपाल सिंह चौहान, सुनील सैनी, शिवालिकनगर के चेयरमैन राजीव शर्मा ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी को जनताहित में काम करना है और पार्टी से युवाओं को जोड़ने का काम करना है। नवनियुक्त पदाधिकारियों में जिला महामंत्री हीरा सिंह बिष्ट, जिला मंत्री भूप सिंह, विनित जौली, जिला मीडिया संयोजक धर्मेंद्र चौहान आदि का स्वागत किया।

सीवर निर्माण कार्य की धीमी गति को लेकर लोगों ने किया प्रदर्शन

हरिद्वार। उत्तरी हरिद्वार की कॉलोनियों गंगा विहार, सत्यम विहार, श्यामलोक,पावन धाम पुलिया, दुधाधारी से दुर्गा नगर तक मुख्य मार्ग, पावनधाम से सर्वानंद मुख्य मार्ग, जसविंद्र इंक्लेव, गायत्री विहार, गंगोत्री विहार की टूटी सड़कों के बड़े–बड़े गड्ढे स्थानीय जनता राहगीरों के लिए दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं। जानकारी के बाद भी एजेंसी के कार्यों में कोई सुधार नहीं। क्षेत्रीय जनता ने व्यापारी नेता सुनील सेठी के नेतृत्व में इस मुसीबत से छुटकारा दिलाने की मांग को लेकर संस्था के खिलाफ सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। लोगों ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर निर्माण एजेंसी को ब्लैक लिस्ट करने की मांग की। महानगर व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सुनील सेठी ने कहा कि पुनः सीवर कार्यदायी संस्था की भारी कमियों को उजागर करते हुए कार्यदायी संस्था के खिलाफ रोष जताते हुए मुख्यमंत्री को भी पुनः एजेंसी की शिकायत भेजी। सुनील सेठी ने बताया कि उत्तरी हरिद्वार की कॉलोनियों सहित मुख्य मार्ग दुधाधारी, लोकनाथ मार्ग करपात्री चौक आदि में स्थानीय जनता सड़कों पर बने गडढों से परेशान हो चुकी है। जिससे आम इंसान अब त्रस्त हो चुका है ऐसी एजेंसी को ब्लैक लिस्टेड कर ठोस कार्रवाई की मांग जनता कर रही है।

नगर निगम की लापरवाही पर पार्षदों में आक्रोश, आंदोलन की दी चेतावनी

अल्मोड़ा। नगर निगम प्रशासन की कार्यशैली से नाराज पार्षदों ने चेतावनी दी है कि उनकी मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। रविवार को नगर निगम के स्व.विजय जोशी सभागार में इस सम्बन्ध में पार्षदों ने बैठक आयोजित की।

पार्षदों का कहना है कि पूर्व में हुई बोर्ड बैठक में नगर निगम प्रशासन को तीन अहम मुद्दों पर कार्यवाही करने के लिए एक माह का समय दिया गया था, लेकिन समयसीमा समाप्त होने के बाद भी अब तक किसी बिंदु पर गंभीर पहल नहीं हुई। पार्षदों ने इसे वार्डवासियों की समस्याओं की अनदेखी और जनप्रतिनिधियों के निर्णयों का अपमान बताया है। पार्षदों ने कहा है कि यदि अगले दो दिनों में उनकी मांगों पर ठोस और लिखित निर्णय नहीं लिया गया, तो बुधवार से क्रमिक अनशन शुरू किया जाएगा और आंदोलन को उग्र रूप दिया जाएगा। उनकी प्रमुख मांगों में नगर आयुक्त और लेखा अधिकारी की तत्काल नियुक्ति, निर्माण कार्यों से संबंधित बजट की स्वीकृति एवं क्रियान्वयन और आवारा पशुओं व बंदरों को पकड़ने के लिए बजट का त्वरित आवंटन शामिल हैं। चेतावनी दी गई है कि यदि इन मुद्दों का समाधान नहीं किया गया तो मजबूरन कठोर कदम उठाए जाएंगे और इसकी पूरी जिम्मेदारी नगर निगम प्रशासन की होगी। यहाँ बैठक में पार्षद चंचल दुर्गापाल, अंजू बिष्ट, मधु बिष्ट, वैभव पांडेय, हेम तिवारी, विकास कुमार, भूपेंद्र जोशी, मुकेश कुमार डैनी, अधिवक्ता रोहित सिंह कार्की, कुलदीप मेर, प्रदीप कुमार, विजय भट्ट, जानकी पांडे और इंतकाब कुरैशी शामिल रहे।

बदहाल सड़क को लेकर सराय गांव में ग्रामीणों ने दिया धरना

हरिद्वार। सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर ग्राम पंचायत सराय के झंडा चौक पर ग्रामीणों ने धरना दिया। अवनीश कुमार ने एक दिन के लिए भूख हड़ताल बैठे।

उन्होंने कहा कि पिछले कई दिनों से उनकी गांव की मुख्य सड़क पर गहरे गड्ढे पड़े हुए हैं। जिससे आने जाने में भारी परेशानी हो रही है। गड्ढों में भरे पानी से दुर्गंध आ रही है। जिससे बीमारियां फैलने का डर सता रहा है। अवनीश ने कहा कि अभी तक जल संस्थान ने भी गांव में पानी के कनेक्शन नहीं दिए गए। आरोप लगाया कि जल संस्थान, लोक निर्माण विभाग, पंचायत राज विभाग, ग्राम प्रधान और अन्य जनप्रतिनिधियों से कई बार गुहार लगाने के बावजूद भी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। यहां तक कि उन्होंने सीएम पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। इसलिए मजबूरन उन्हें भूख हड़ताल पर बैठना पड़ा।

ग्रामीणों ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर इन समस्याओं का समय रहते समधान नहीं हुआ तो जल्द ही पंचायत कार्यालय, ब्लॉक कार्यालय, तहसील कार्यालय, जिला मुख्यालय और मुख्यमंत्री कार्यालय तक ज्ञापन दिया जाएगा। धरने में एडवोकेट मुकेश कुमार रवि, राकेश कुमार, महिपाल, राज यादव, अमिचंद, सोनू कुमार, विजयजोशी, अक्षय, मोनू, रूपराम, सागर, सुनील, केशो राम, लौहर सिंह आदि ग्रामीण शामिल रहे।

जयन्त
संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और
सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड़, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा जयन्त कार्यालय चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग, गैरसैंण, जनपद चमोली उत्तराखण्ड से प्रकाशित
RNI No.UTTHIN/2005/16338